सुविचार

किसी भी जीवन में आपका एकमात्र दायित्व स्वयं के प्रति सच्चा होना है।

दैनिक संयुक्त लहर

RNI No. MPHIN/2023/90392

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष : 03, अंक 234 | daniksanyuktlaher@gmail.com | इंदौर, गुरुवार, दिनांक 14 मई 2026 | #DSL.indore | पृष्ठ : 8 मूल्य : रु.3

ऑनलाइन अख़बार और ख़बरों के लिये बारकोड स्कैन करे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य मंत्री जायसवाल के पुत्र के विवाह समारोह में हुए शामिल

अभिशंख एवं स्तुति जायसवाल के परिणय अवसर पर दिया शुभाशीष

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल के सुपुत्र अभिशंख जायसवाल एवं पुत्रवधू स्तुति जायसवाल के पावन वैवाहिक बंधन मांगलिक अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगल आशीष प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से नवदंपति के सुखमय, समृद्ध एवं आनंदपूर्ण दाम्पत्य जीवन की कामना करते हुए कहा कि यह नवीन जीवन यात्रा प्रेम, विश्वास,

सम्मान और अटूट साथ के पवित्र सूत्र से सदैव सुसज्जित रहे। उनके जीवन में सुख, शांति, वैभव, उत्तम स्वास्थ्य और उन्नति का प्रकाश निरंतर बना रहे तथा परिवार का आंगन सदैव खुशियों, सौभाग्य और मधुर संबंधों की सुगंध से महकता रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बिजुरी में आयोजित वैवाहिक समारोह में सम्मिलित हुए और नवविवाहित दंपति को अपने स्नेहिल आशीर्वचनों से अभिसिंचित कर उज्ज्वल एवं मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राज्यमंत्री श्री जायसवाल एवं उनके परिवारजन से आत्मीय भेंट कर इस सुखद अवसर की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं अतिथियों से भी मुख्यमंत्री ने आत्मीय चर्चा की। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके, शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, मंडला सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री तथा अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह, विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, उपाध्यक्ष जिला पंचायत अनूपपुर श्रीमती पार्वती राठौर, जिला पंचायत सदस्य भारती केवट नर्मदा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मोदी काफिला छोड़ 2 गाड़ियों के साथ निकले

पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की थी; शाह-नड्डा ने भी काफिले में गाड़ियां कम कीं

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को काफिला छोड़ सिर्फ 2 गाड़ियों के साथ निकले। आमतौर पर पीएम के काफिले में 12 से 15 गाड़ियां रहती हैं। अब एक गाड़ी में पीएम जबकि दूसरी गाड़ी में और सुरक्षा कर्मी मौजूद रहेंगे। पीएम जनता से लगातार पेट्रोल-डीजल का कम इस्तेमाल करने की अपील कर रहे हैं। इसको लेकर गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी ने भी अपने काफिले की गाड़ियां कम कर दीं है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या घटाने का आदेश दिया।

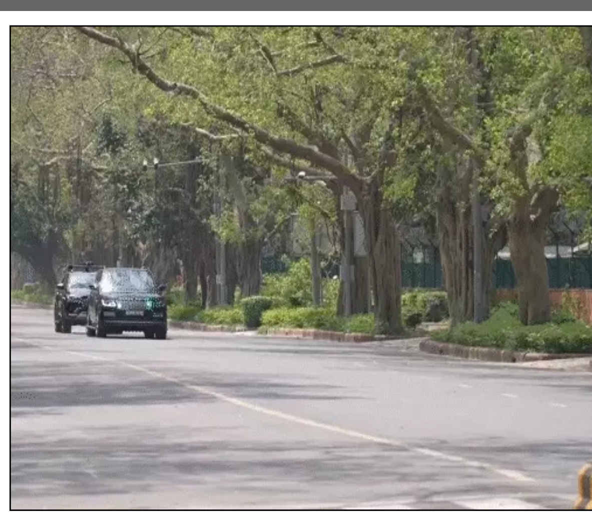

पहले काफिले में 14-16 गाड़ियां रहती थीं, लेकिन बुधवार को दिल्ली दौरे के दौरान उनके साथ सिर्फ 5 गाड़ियां ही चलीं। मध्य प्रदेश में अब मंत्रियों और वीआईपी काफिलों में गाड़ियों की संख्या सीमित की जाएगी। साथ ही सरकारी दौरों और भ्रमण के दौरान रैलियों पर भी रोक रहेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव को '+ कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली है। इस वजह से उनके काफिले में अब तक कुल 13 वाहन शामिल रहते थे। नए आदेश के बाद भोपाल में स्थानीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के काफिले में अब सिर्फ 8 वाहन शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने मंगलवार को 7 बड़े फैसले लिए। मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और अफसरों का काफिला 50 घटेगा। हफ्ते में एक दिन इन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट या बस-मेट्रो से चलना होगा। सभी सरकारी बैठकें, सेमिनार, कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप वर्चुअल होंगी। राज्य सचिवालय की भी 50 बैठकें वर्चुअल होंगी। सीएम ने कहा, जिन कंपनियों में बड़ी संख्या में कर्मचारी हैं, उन्हें हफ्ते में दो दिन वर्क फ्रॉम होम के लिए राज्य स्तर पर एडवाइजरी जारी की जाए। सीएम योगी ने लोगों से 10 अपील भी की है। उन्होंने कहा कि हफ्ते में एक दिन नो व्हीकल डे मनाया जाए। पेट्रोल-डीजल और बिजली बचाएं। सजावटी लाइटें कम जलाई जाएं।

मामला सिलोटिया पंचायत का..

सामुदायिक भवन का भूमिपूजन सरपंच को नहीं बुलाया और ना शिलालेख पर नाम दिनेश राठौर

महू/ इंदौर। पंचायतीराज में अगर कोई निर्माण कार्य होता है और उसमें सरपंच को बुलाया नहीं जाता और ना ही शिलालेख पर उसका नाम होता है यह सरपंच पद अपमान की बात है। मध्य प्रदेश पंचायती राज में ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य हो रहे हैं इसी के तहत ग्राम पंचायत सीलोटिया में क्षेत्रीय विधायक उषा ठाकुर की उपस्थिति में स्थानीय नेताओं द्वारा 19 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण का भूमि पूजन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच रमेश यादव को आमंत्रित नहीं करते हुए शिलालेख पर भी उनका नाम नहीं लिखाया गया सरपंच ग्राम का प्रथम नागरिक होता है जिसे जनता द्वारा चुना जाता है उसकी उपेक्षा की जाना पंचायतीराज अधिनियम के सरपंच के पद का घोर अपमान है मजेदार बात यह है कि उक्त पंचायत को निर्माण कार्य न देते हुए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग से कार्य करवाया जा रहा है शिलालेख में विधायक भाजपा नेताओं के साथ ग्राम पंचायत के सचिव व सहायक का भी नाम है पर सरपंच का नाम गायब है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- हिंदू धर्म जीवन जीने का तरीका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि हिंदू धर्म जीवन जीने का तरीका है। हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या खास पूजा-पाठ जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि घर में दीया जलाना भी आस्था दिखाने के लिए पर्याप्त है। यह टिप्पणी चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ ने की। बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव, सबरीमाला मंदिर और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े धार्मिक स्वतंत्रता मामलों पर सुनवाई कर रही है। बुधवार को सुनवाई का यह 15वां दिन है। बेंच में जस्टिस बी वी नागरत्ना, एम एम सुंद्रेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुनवाई के दौरान इंटरविनर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील डॉ.

जी मोहन गोपाल ने कहा कि धार्मिक समुदायों के भीतर से ही सामाजिक न्याय की मांग उठ रही है। उन्होंने 1966 के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि तब हिंदू उसे माना गया था, जो वेदों को सर्वोच्च मानता है। उन्होंने कहा, हममें से किसी ने भी यह नहीं कहा कि हर हिंदू वेदों को सर्वोच्च मानता है। मैं वेदों का सम्मान करता हूं, लेकिन क्या आज हर हिंदू ऐसा मानता ह इस पर जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा, 'इसी वजह से हिंदू धर्म को जीवन जीने का तरीका कहा जाता है। हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या कोई अनुष्ठान करना जरूरी नहीं है। ' सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है।

किश्तवाड़ में आतंकी को पनाह देने वाला शिक्षक गिरफ्तार

किश्तवाड़/पुंछ। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने सरकारी स्कूल के एक शिक्षक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और दूसरी मदद देने का आरोप है। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है। वह इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में तैनात है। उसके खिलाफ के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, वह चटरू इलाके में आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था। यह मामला 4 फरवरी 2026 को डिच्छर-चटरू में हुए एनकाउंटर से जुड़ा है, जिसमें आतंकी आदिल मारा गया था। इधर, पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में स्पष्ट पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी आतंकी को भारतीय सेना ने मार गिराया।

तमिलनाडु में विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

तमिलनाडु। विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री विजय की सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग के वक्त सदन में 171 विधायक मौजूद थे। इनमें 144 ने का समर्थन किया। पक्ष में के 25 बागी विधायकों नें भी वोट डाला। के 47 विधायक हैं। 22 ने सरकार का विरोध किया। फ्लोर टेस्ट में 59 विधायकों वाली ने वॉकआउट कर दिया। सदन मे मौजूद के 4 और के एक विधायक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। फ्लोर टेस्ट के साथ में फूट भी पड़ गई । पार्टी पलानीस्वीमी और सीवी षणमुगम में गुट में बंट गई। इसके बाद पार्टी के प्रमुख पलानीस्वामी ने एसपी वेलुमणि और सी वी शनमुगम समेत कई नेताओं को उनके पदों से हटा दिया है। सदन में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने के बागी विधायकों और विजय की मुलाकात पर कहा कि यह

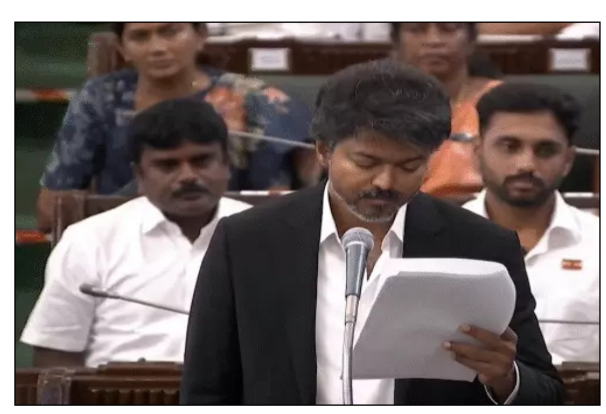

मुलाकात बदलाव है या सौदेबाजी? क्या यही आपकी साफ-सुथरी सरकार है? सरकार को इंस्टाग्राम के जरिए नहीं, बल्कि गवर्नेंस करनी चाहिए। इस पर सीएम विजय ने कहा हमारी सरकार सेक्युलर तरीके से घोड़े की रफ्तार से काम करेगी न कि हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल होगी। फ्लोर टेस्ट के समय सांसदों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आए, जिसमें विजय की पार्टी ने कुल 234 सीटों में से सबसे ज्यादा 108 सीटें जीतीं। को 59 और को 47 सीटें मिलीं। छोटे-छोटे दल और अन्य को 20 सीटें मिलीं। सरकार बनाने के लिए 118 का बहुमत किसी को नहीं मिला। कांग्रेस ने से गठबंधन तोड़कर को समर्थन देने का ऐलान किया। कांग्रेस नेताओं ने के दफ्तर पहुंचकर विजय को समर्थन पत्र सौंपा।

यूपी, बिहार और महाराष्ट्र में आंधी-बारिश से 22 की मौत, राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48डिग्री पार

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ। देशभर में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। राजस्थान में मंगलवार को चार जिलों में 45डिग्री से ज्यादा तापमान रहा। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 48.3डिग्री तापमान दर्ज किया गया। फलोदी, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में पारा 45 से 46डिग्री के बीच रहा। वहीं, उत्तर प्रदेश के संभल में बुधवार

को दिन में अंधेरा छा गया। तेज हवा के साथ धूलभरी आंधी चली। राज्य के 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। बदायूं में आंधी-बारिश से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं बरेली में तेज आंधी के चलते एक महिला की जान चली गई। हरदोई में दीवार गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि उन्नाव में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की जान चली गई। बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चा समेत 5 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के सांगली में तेज आंधी के कारण एक मंदिर की दीवार गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, केरल के मलप्पुरम में बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी यूपी में बारिश, गरज-चमक और 30-60की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ ओले गिर सकते है। पहाड़ी इलाकों में तेज हवाएं भी चल सकती हैं। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान में भीषण लू चलेगी। कुछ जगहों पर रात में भी लू जैसे हालात रहने की आशंका है। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी लू चलने का अनुमान है। झारखंड में कुछ जगहों पर 50-6 की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ आंधी चल सकती है। बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, केरल और कर्नाटक में तेज हवाओं और बिजली के साथ गरज-चमक हो सकती है। इस हफ्ते अंडमान-निकोबार पहुंच सकता है मानसून दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी इलाके में सक्रिय है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली हाईकोर्ट का गूगल और एप्पल को अश्लील कंटेंट रोकने का निर्देश

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को गूगल और एप्पल को मोबाइल ऐप पर अश्लील कंटेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि एक पूरी पीढ़ी को बर्बाद नहीं होने दे सकते। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को शिकायत मिलने पर ही नहीं, बल्कि कंटेंट अपलोड होते वक्त भी उसे रोकना होगा।

सुवेंदु अधिकारी के पीए हत्याकांड में सीबीआई ने दूसरी बार किया घटनास्थल का दौरा

पश्चिम बंगाल के सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में ने बुधवार को उत्तर परगना जिले में घटनास्थल का दोबारा दौरा किया। जांच अपने हाथ में लेने के बाद एजेंसी की यह दूसरी विजिट थी। टीम एडवांस 3डी स्कैनर के साथ मौके पर पहुंची और कई घंटों तक घटनास्थल की जांच की। एजेंसी डिजीटल मैप तैयार कर हत्या से पहले की घटनाओं को समझने की कोशिश कर रही है।

यूसीसी को असम कैबिनेट की मंजूरी; 26 मई को विधानसभा में पेश होगा बिल

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि राज्य कैबिनेट ने समान नागरिक संहिता को मंजूरी दे दी है। 26 मई को विधानसभा में बिल लाया जाएगा। इससे पहले उत्तराखंड, गोवा और गुजरात में भी ष्ट से जुड़े कानून बने हैं। सीएम ने कहा कि इसके जरिए राज्य की विभिन्न समुदायों की परंपराओं और आवश्यकताओं के बीच एक संतुलन बनाना है।

सीबीआई ने 7.48 करोड़ रुपए चिटफंड घोटाले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने त्रिपुरा से जुड़े दो चिटफंड घोटाला मामलों में फरार चल रहे आरोपी संजीत चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया है। आरोपी को 12 मई को पश्चिम बंगाल के कोलकाता से पकड़ा गया। जांच एजेंसी ने बताया कि पहले मामले में आरोपी और उसके साथियों पर करीब 7.48 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है।

नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले 2027 का आधिकारिक लोगो जारी

महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले 2027 का आधिकारिक लोगो जारी किया। इस लोगो का चयन देशभर में आयोजित प्रतियोगिता के जरिए किया गया। प्रतियोगिता में भारत और विदेशों से कुल 3,067 डिजाइन भेजे गए थे। पुरस्कार जीता।

ग्रेटर बाबा जैन मंदिर में हुई चोरी की घटना का पर्दाफाश 04 आरोपी (03 पुरुष व 01 महिला आरोपी) पुलिस थाना एरोड्रम की गिरफ्त में

आरोपियों के कब्जे से चोरी गया मश्रुका- चाँदी की 02 मूर्ति बजन करीबन 01 किलो, अष्टधातु की मूर्ति वजन करीबन 06 किलो, 04 चाँदी के कलश और घटना में प्रयुक्त मोटरसायकल सहित कुल कीमती करीबन 4,00000/- रूपये का मश्रुका जप्त

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। शहर में चोरी, नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने हेतु इन अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश, पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष सिंह द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (का/व्य.) इंदौर श्री मयंक अवस्थी एवं पुलिस उपायुक्त जोन-01 इंदौर श्री नरेन्द्र सिंह रावत एवं अति. पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुए नगरीय ज़ोन-01 की पुलिस टीम द्वारा जैन मंदिर में हुई नकबजनी का पर्दाफाश कर 4 आरोपियों को गिरफ्त में लिया गया है। घटना का विवरण: - पुलिस थाना एरोड्रम पर दिनांक 04.05.2026 को फरियादी अनुराग वैध पिता कमलेश वैध उम्र 36 साल निवासी 85 ग्रेटर बाबा परिसर एरोड्रम इंदौर ने थाना उपस्थित होकर मौखिक रिपोर्ट किया कि दिनांक 03.05.2026 की रात्रि करीबन 02.00 से 03.00 बजे श्री दिगम्बर जैन नवग्रह जिनालय ग्रेटर बाबा परिसर इंदौर में अज्ञात आरोपियों ने ताला तोड़?कर मंदिर में प्रवेश कर मंदिर के अंदर रखे चाँदी की मूर्तिया, चाँदी के बर्तन एवं चाँदी की पान्डुशिला चोरी कर ले गए हैं। फरियादी की रिपोर्ट पर से धाना एरोड्रम इंदौर पर तत्काल अपराध क्रमांक 274/2026 धारा 331(4), 305 (ए), 307 बीएनएस ने अपराध पजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस उपायुक्त जोन 01 इंदौर श्री नरेन्द्र सिंह रावत द्वारा सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग मल्हारगंज श्री विवेक सिंह चौहान के नेत्रत्व में कुल 10 सदस्यीय विशेष दल का गठन कर नकबजनी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों की पतारसी हेतु निर्देशित किया गया तथा आरोपियों की पतारसी हेतु 10,000/- रूपये के ईनाम की भी उद्धघोषणा की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक वेदेन्द्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में अलग- अलग कुल 03 टीम घटित कर आरोपियों की पतारसी हेतु लगाया गया एवं 02 टीमों को आरोपियों की पतारसी हेतु अलग-अलग राज्यों में रवाना किया गया। उक्त टीमों के द्वारा घटना स्थल के सीसीटीव्ही फुटेज एकत्रित कर उक्त फुटेजों का विश्लेषण किया गया। आरोपियों की पतारसी हेतु पूर्व के नकबजनी की घटना कारित करने वाले आरोपियों पर निगरानी और विस्तृत पूछताछ की गई। घटना स्थल से लेकर शहर के भिन्न भिन्न क्षेत्रों के करीबन 200 सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गए। परिणामस्वरूप पुलिस तकनीकी का उपयोग कर जैन मंदिर नवग्रह जिनालय ग्रेटर बाबा इंदौर में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों क्रमश:- 01- ललित सिंह चौहान उम्र 23 साल निवासी खाटफुट फाटा थाना बड़वाह जिला खरगौन। 02- विशाल केवट उम्र 26 साल निवासी आमपुरा तहसील महेश्वर जिला खरगौन। 03- ओमप्रकाश चौहान उम्र 21 साल निवासी जगतपुरा बड़वाह जिला खरगौन। 04- गीता बाई मकवाना उम्र 55 साल निवासी ग्राम मोरद मरीमाता टेकरा तेजाजी नगर इंदौर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से चोरी गया मश्रुका में 02 चाँदी की मूर्ति वजन प्रति मूर्ति करीबन 500 500 ग्राम, 01 अष्टधातु की मूर्ति वजन करीबन 06 किलो, 04 चाँदी के कलश एवं घटना में प्रयुक्त एक मोटर सायकल कुल कीमती करीबन 400000/- रूपये का मश्रुका जप्त कर आरोपियों को अभिरक्षा में लिया गया। विवेचना में अन्य आरोपियों तथा मश्रुका की पतारसी एवं अग्रिम वैधानिक कार्यवाही जारी है। सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी एरोड्रम निरी. वेदेन्द्र सिंह कुशवाह, थाना प्रभारी तेजाजी नगर निरी. देवेन्द्र मरकाम, उनि. सुरेन्द्र सिंह मेहता, सउनि प्रकाश चौहान, प्रआर 3229 विलियम, प्रआर 2826 विजय वर्मा, आर. 1374 जोगेश, आर 503 राजू रावत, प्रआर 3486 अमित तिवारी, प्रआर 846 धीरेन्द्र सिंह राठौर, सउनि शैलेन्द्र चौहान, प्रआर 3132 भूपेन्द्र, प्रआर 743 शैलेन्द्र राजावत, प्रआर 2946 देवेन्द्र परिहार, आर 2625 दीपेन्द्र राणा, आर 4053 प्रदीप रावत, म.आर 634 रानी सेंधव, आर 3564 रामवीर गुर्जर, आर 1108 पंकज एवं फिंगर प्रिन्ट शाखा इंदौर से सहायक पुलिस आयुक्त श्री अवनेश बुधोलिया व निरीक्षक पवन वर्मा तथा सायबर सेल टीम जोन -01 इंदौर से आर 4051 प्रशांत, आर 3791 अमित, आर 2442 गोवर्धन की अहम भूमिका रही।

सभी नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर स्वच्छता सर्वेक्षण फीडबैक में करें सहभागिता : आयुक्त भोंडवे

म.प्र. में नागरिकों ने सर्वेक्षण में दर्ज कराए 19 लाख से अधिक फीडबैक

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश अपनी संकल्पबद्धता और जन-सहयोग के अनूठे संगम के साथ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के कुल 406 नगरीय निकायों में स्वच्छता के प्रति जो उत्साह और चेतना जाग्रत हुई है, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण नागरिकों द्वारा अब तक दर्ज कराए गए 19 लाख से अधिक फीडबैक हैं। यह संख्या न केवल नागरिकों की अपनी शहर की स्वच्छता के प्रति सजगता को दर्शाती है, बल्कि यह प्रदेश की उस सामूहिकता का भी परिचायक है जो मध्यप्रदेश को स्वच्छता के शिखर पर बनाए रखने के लिए तत्पर है। विभाग द्वारा इस विशाल जन-समर्थन को एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जो आगामी रैंकिंग में प्रदेश के शहरों की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। नागरिकों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त दिये गये क्यूआर कोड को स्केन कर स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में अपना फीडबैक दर्ज करे। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के सर्वेक्षण की सबसे अभिनव और क्रांतिकारी विशेषता इसकी मूल्यांकन प्रणाली में किया गया मूलभूत परिवर्तन है, जिसमें 'नागरिक फीडबैक' और 'जन-शिकायत निवारण' (ग्रीवांस रिड्रेसल) को मुख्य आधार बनाया गया है। पूर्ववर्ती सर्वेक्षणों की तुलना में इस बार रैंकिंग की गणना में नागरिकों की प्रतिक्रिया और उनकी शिकायतों के त्वरित व प्रभावी समाधान को अत्यधिक महत्व और वेटेज प्रदान किया गया है। इससे स्वच्छता के प्रबंधन को केवल प्रशासनिक सक्रियता तक सीमित न रखकर इसे पूर्णत: नागरिक-केंद्रित बनाना है। अब शहरों की सफलता का पैमाना केवल कागजी आंकड़े नहीं, बल्कि धरातल पर नागरिकों का संतुष्टि स्तर और उनकी समस्याओं के निराकरण की गतिशीलता होगी। मध्यप्रदेश के 406 नगरों में नवीन व्यवस्था के अनुरूप कार्य योजना तैयार की गई है, जिसमें अपशिष्ट प्रबंधन और दृश्य स्वच्छता के साथ नागरिक संवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। राज्य सरकार और नगरीय प्रशासन विभाग का निरंतर प्रयास है कि स्वच्छता के इस महाभियान में तकनीक और पारदर्शिता का समावेश कर हर नागरिक को इस प्रक्रिया का एक सक्रिय हिस्सा बनाया जाए। अब तक 19 लाख से अधिक नागरिकों का इस प्रक्रिया में सम्मिलित होना इस बात की पुष्टि करता है कि मध्यप्रदेश के नगर स्वच्छता के संस्कार से ओतप्रोत आधुनिक केंद्रों के रूप में विकसित हो रहे हैं। प्रशासन आगामी चरणों में भी इसी पारदर्शिता और जन-संवाद की नीति पर चलते हुए प्रदेश को स्वच्छता के क्षेत्र में पुन: कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

पंथवाद-संतवाद का राग भी आग है : उपाध्याय विशेषसागर

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

हरदा। अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थकर आदिनाथ भगवान ने अपने उपदेश में 2 प्रकार के धर्म का उपदेश किया था , 'ऋषी बनो या कृषी करो 'अर्थात श्रमण बनो या श्रावक बनो उत्तम मार्ग है मुनि बनना यदि मुनि नहीं बन सकते तो कम से कम मुनि भक्त बनो उक्त उदगार प.पू. विराग कीर्ति उपाध्याय श्री 108 विशेषसागर जी महाराज ने श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर हरदा में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहे। पू उपाध्यायश्री ने आगे कहा धर्म एक है, पर धर्म की परिभाषा भिन्न-भिन्न हो सकती है, इस पंचमकाल में सबसे बड़ा धर्म क्या है ? इसका उत्तर है पंथवाद- संतवाद से बाहर निकल कर पिंछी-कमंडल धारी संतों की सेवा करना पं. दोलत राम जी ने ठीक ही कहा है 'यह राग आग दहे सदा तार्ते समामृत सेइये, पंथ का राग, संत का राग भी आग है जब तक पंथवाद - संतवाद में लगे रहोगे तो वितरागता की प्राप्ति नहीं हो सकती। अब समय आ गया है समझने की संभलने की। पू उपाध्यायश्री ने आगे कहा आज प्रत्येक समाज, नगर व परिवार में ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो तोड़ने की नहीं जोड़ने की बात करें, कैंची का कार्य नहीं सुई का कार्य करें। समाज व परिवार को छुटने में समय नहीं लगता पर जोड़ने के लिए सारा जीवन भी कम पड़ जाता । जैन समाज हरदा के कोषाध्यक्ष राजीव जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि उपाध्याय संघ का मंगल विहार विरागोदय पथरिया की और चल रहा है। उपाध्यायश्री अभी हरदा में विराजमान है।

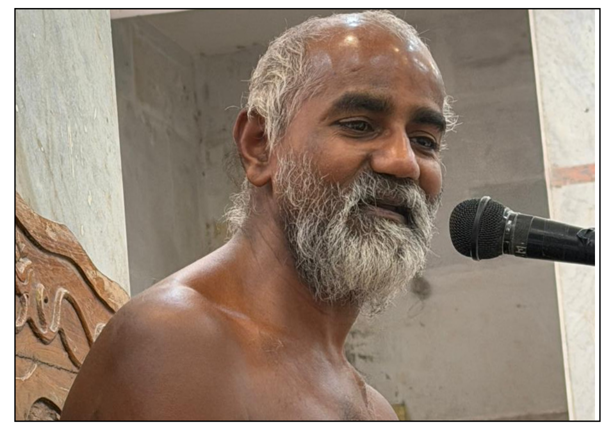

त्वचा ही नहीं, अब दिमाग को भी झुलसा रही है 'हीटवेव', डॉक्टर बोले- ट्रिगर कर रही माइग्रेन की समस्या

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। डॉ. भास्कर शुक्ला के मुताबिक, लोग अक्सर सिरदर्द को थकान, कम नींद या ज्यादा स्क्रीन टाइम का नतीजा मानकर हल्के में ले लेते हैं, लेकिन असल में, यह लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी का एक गंभीर संकेत हो सकता है।

हीटवेव और माइग्रेन का कनेक्शन

1. डिहाइड्रेशन: पसीने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स कम हो जाते हैं, जो माइग्रेन ट्रिगर कर देता है ।2. तापमान में अचानक बदलाव: हीटवेव से शरीर का थर्मोरेग्यूलेशन बिगड़ता है, जिससे अटैक आ सकता है। 3. पर्यावरणीय कारक: तेज धूप, उमस और चमकदार रोशनी भी माइग्रेन बढ़ाते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक इन दिनों माइग्रेन के मरीजों में सिरदर्द के अटैक ज्यादा तेज हो रहे हैं, और कई बार दवा की खुराक भी बढ़ानी पड़ रही है।

हीटवेव में माइग्रेन से बचने के 5 आसान उपाय

- हाइड्रेशन बनाए रखें: प्यास न लगे तब भी दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। 5-7 लीटर तक पानी, नींबू पानी या नारियल पानी लें।- धूप से बचें: दोपहर 12-4 बजे बाहर न निकलें। निकलना पड़े तो सनग्लासेस, टोपी, छाता इस्तेमाल करें। - ठंडे वातावरण में रहें: /कूलर में रहें, तेज रोशनी और गर्मी से बचें। खाना स्किप न करें: खाली पेट रहने से ब्लड शुगर गिरता है और माइग्रेन ट्रिगर होता है। समय पर खाएं। - नींद पूरी लें: कम या ज्यादा नींद दोनों ट्रिगर हैं। रूटीन बनाएं। तो अगली बार सिरदर्द को सिर्फ 'थकान' समझकर इग्नोर मत कीजिए। इंदौर में अभी तापमान 40+ चल रहा है, ऐसे में ये हीटवेव वाला माइग्रेन हो सकता है। पानी पीते रहिए और सिर ढककर ही बाहर निकलें।

रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं विश्वास का प्रतीक बनी जीआरपी – इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर

विगत दो सप्ताह में लगभग 21 लाख रूपये से अधिक की संपत्ति जब्त

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। मध्यप्रदेश रेलवे पुलिस द्वारा रेल यात्रियों की सुरक्षा, संपत्ति संरक्षण एवं जनविश्वास कायम रखने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जीआरपी जबलपुर, ग्वालियर एवं इंदौर द्वारा चोरी एवं जेवरात संबंधी मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए 21 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। वहीं इंदौर जीआरपी ने ईमानदारी एवं तत्परता का परिचय देते हुए यात्री का जेवरों से भरा बैग सुरक्षित लौटाकर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जीआरपी इंदौर ने रेलवे स्टेशन इंदौर से ट्रॉली बैग चोरी का मात्र 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 2 लाख 82 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। इसके अतिरिक्त जीआरपी इंदौर ने ईमानदारी, संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए ट्रेन में छूटे लगभग 8 लाख 50 हजार रुपये मूल्य के जेवरों से भरे बैग को कुछ ही घंटों में सुरक्षित खोजकर संबंधित यात्री के सुपुर्द किया। जीआरपी की इस सराहनीय कार्रवाई से यात्रियों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना और अधिक मजबूत हुई है। यह कार्रवाई रेल पुलिस की जनसेवा, जिम्मेदारी एवं मानवता के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। थाना जबलपुर द्वारा रनिंग ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशन क्षेत्र में चलाये जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सोने का मंगलसूत्र, चेन, बाली, लॉकेट एवं चांदी की पायल सहित लगभग 2 लाख 85 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है। एक अन्य कार्यवाही में जबलपुर की टीम द्वारा एक महिला चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के आभूषण जप्त किये गये। महिला आरोपी द्वारा यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जाता था। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से 8 हजार 750 रूपए मूल्य के आभूषण जब्त किये गये। जीआरपी ग्वालियर द्वारा ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशन क्षेत्र में जेवरात एवं नगदी चोरी करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रकरणों में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों द्वारा अलग-अलग ट्रेनों में यात्रियों के पर्स, नगदी एवं सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। लगातार निगरानी, मुखबिर सूचना एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से चोरी गये सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी सहित लगभग 7 लाख 30 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। प्रदेश में शासकीय कार्यप्रणाली में नवाचार, सुशासन और जनसेवा के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार' (नवाचार हेतु) वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने जानकारी दी कि यह पुरस्कार मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों, विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा उनके अधीन कार्यरत निगम, मंडल, बोर्ड एवं संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारियों को उनके नवाचार आधारित उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिये प्रदान किये जायेंगे।

प्रसिद्ध कथा वाचक पण्डित श्री दीपक शास्त्री (रतलाम) चिड़ार समाज के जिला सचिव नितिन चंदेल से मिलने उनके निज निवास पर पधारे

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इन्दौर। अपरा एकादशी के शुभ मुहूर्त पर मुसाखेड़ी में रतलाम निवासी प्रसिद्ध कथावाचक दीपक शास्त्री , पंडित मयूर शर्मा , और पंडित अक्षय दुबे श्री चिड़ार समाज जिला सचिव एवं समाज सेवी नितिन चंदेल से मिलने उनके निज निवास पर पधारे नितिन चंदेल ने सभी पंडितों का सम्मान कर आशीर्वाद लिया और प्रसिद्ध कथावाचक दीपक शास्त्री जी को त्रिशूल उपहार में दिया जैसे ही पंडित दीपक शास्त्री और पंडित मयूर शर्मा नितिन चंदेल के घर पधारे लोगो का जमावड़ा लग गया और लोग दूर दूर से गुरु जी से आशीर्वाद लेने नितिन चंदेल के घर आए गुरु जी ने सभी को आशीर्वाद दिया और सनातन के प्रति जागरूक और जिम्मेदार रहने का संकल्प दिलाया।

वर्षा ऋतु का आसमान से बरसने वाला पानी, जमीन के अंदर तल तक पहुंचने के लिए बड़े रिचार्ज बड़ी संख्या में हर क्षेत्र में बनवाये

संयुक्त लहर,अजय चौधरी

एडवोकेट अजय गणेश चौधरी
अध्यक्ष, युवा जागृति परिषद

इंदौर। युवा जागृति परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट अजय गणेश चौधरी ने अपने पत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री, निगम महापौर जिला कलेक्टर, और निगम आयुक्त इंदौर को , पत्र लिखकर अनुरोध किया है, हमारा शहर इंदौर जो कीट्रुमध्य प्रदेश मैं इंदौर एवं मालवा क्षेत्र पग पग रोटी डग डग नीर, से जाना जाता था जमीन जलस्तर 560 फिट से नीचे पहुंच गया है पहुंच गया।इस ग्रीष्म ऋतु मेंअधिकतम बोरिंग शासकीय हो या अशासकीय निजी बोरिंग सभी फरवरी मार्च के बाद धीरे-धीरे बंद होते-होते मई के प्रथम सप्ताह से उनमें से अधिकतम में जल मिलना बंद हो गया है और धीरे-धीरे बचे कुछ जो बोरिंग है ,वह भी इस भीषण गर्मी में जल देना बंद होने की स्थिति निर्मित हो रही है जिसकी वजह से जल संकट का वातावरण बना हुआ है। द्रुआपने कहा हैइंदौर की जीवन रेखा जीवन दायिनीमां नर्मदा का जल मिलने की मात्रा भी नदी में पानी कम होने से इंदौर पहुंचने वाले जल की मात्रा कम हो चुकी है और मांग बढ़ती जा रही। इन स्थितियों में हर व्यक्ति परिवार नगर निगम से टैंकर से जल प्राप्त करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रहा है कहीं संघर्ष कर रहा है कहीं आसपास में अपनों से लड़ रहा है। आपने कहा है प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका निगम इंदौर द्वारा भी500 सेअधिक टैंकर से पानी प्रदान करने की जानकारी दी जा रही है, लेकिन इससे भी, संतोष जनक पूर्ति नहीं हो पा रही है। वहीं दूसरी और,नर्मदा का जल एक दिन छोड़कर, एक दिन , जहां-जहां जिस क्षेत्र में मिलता था वहां उसकी मात्रा कम आने की समस्या सामने आ चुकी है और कई जगह गंदे पानी आने की समस्या के साथ-साथ नर्मदा जल बिल्कुल भी नहीं आने की शिकायतें सामने आ रही है। अपने अंत में कहा है,उपरोक्त स्थितियों में शासन प्रशासन और नगर निगम तात्कालिक समस्याओं के निदान के साथ भविष्य के लिए, जमीन में जल स्तर को वापस ऊंचा उठने के लिए जल संग्रह की ठोस व्यवस्था की दृष्टि से, आसमान से गिरने वाला वर्षा का जल, नये बड़े जल संग्रह के रिचार्ज हर एक निश्चित सीमा के बाद ,बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने में पहल की आवश्यकता को मूर्त रूप प्रदान करें ,तभी भविष्य में जल संकट से मुक्ति मिलने की स्थिति में, अच्छा सुधार होने की संभावना प्रबल रहेगी। आपने इस संबंध में ठोस प्रयास की दृष्टि से, वार्ड 44 और वार्ड 45 में जल संग्रहण के बड़े रिचार्ज बनाने के स्थान, निगम अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में दिए हैं, और विश्वास व्यक्त किया है इन पर अमल किया गया तो आसपास के क्षेत्र में जमीन का जलस्तर ऊंचा उठकर पुन: वापस ,पूर्व जमीन स्तर के जल स्थिति को प्राप्त करेगा जिससे ल संकट समाप्त रहेगा। जल संग्रह के ुझाए गए स्थान संजय उपवन, सेक्टर 'ए' शैलबाला उद्यान सेक्टर 'बी 'तथा सेक्टर 'एफ 'कॉर्नर सार्वजनिक प्राचीन पंचदेव मंदिर परिसर के आसपास।

राधा गोविंद मंदिर निर्माण हेतु बढ़ा जनसहयोग 5100 रुपये प्रति वर्गफीट से भक्त निभा रहे सहभागिता

संयुक्त लहर, राकेश सिंह

बदनावर। नवनिर्माणाधीन श्री राधा गोविंद मंदिर इस्कॉन बदनावर में मंदिर निर्माण हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा भक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ हरिनाम संकीर्तन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्री बलराम बंजारा एवं श्री संदीप अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन की शुरुआत की। प्रारंभ में श्री रामेश्वर पाटीदार एवं श्री गुलाबचंद पाटीदार द्वारा अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। समारोह में

श्रीपाद वसुश्रेष्ठ प्रभुजी ने संतों की समाज में भूमिका एवं लोककल्याण के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं श्रीपाद पद्मपाणी प्रभुजी ने कहा कि भगवान के लिए किया गया प्रत्येक कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता। डॉ. दुलाल कृष्ण राय ने श्रद्धालुओं से मंदिर निर्माण में अधिक से अधिक सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह मंदिर पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र बनेगा। सेवानिवृत्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, गीता प्रचार विभाग के अध्यक्ष एवं मंदिर निर्माण समिति के कोषाध्यक्ष श्री बी.एल. पाटीदार ने बताया कि मंदिर का निर्माण बदनावर लोक कल्याण समिति के माध्यम से किया जा रहा है तथा इसकी संपूर्ण व्यवस्था स्थानीय समिति द्वारा संचालित है। उन्होंने बताया कि लगभग 10,200 वर्गफीट क्षेत्र में निर्मित हो रहे इस भव्य मंदिर में 'फर्श से अर्श तक' एक वर्गफीट निर्माण की लागत 5100 रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। मंदिर परिसर में ब्रह्मचारी आश्रम निर्माण की योजना भी शामिल है। भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए बताया गया कि मंदिर परिसर में एक सहयोग एवं काउंसलिंग समिति का गठन किया जाएगा, जो जरूरतमंद एवं पीड़ित लोगों की सहायता करेगी। डॉ. परिमलजी ने भविष्य में गुरुकुल स्थापना का सुझाव देते हुए इसे संस्कार और शिक्षा का केंद्र बनाने की बात कही। कार्यक्रम में श्री संजीव अग्रवाल ने कहा कि आने वाले समय में यह मंदिर भगवान कृष्ण की भक्ति का प्रमुख केंद्र बनेगा। श्री लालचंद पाटीदार ने बताया कि आसपास के ग्रामीण एवं नगरवासी तन-मन-धन से मंदिर निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। वहीं श्री मनीष शर्मा ने इसे भविष्य का प्रमुख तीर्थस्थल बताते हुए सभी से सहयोग की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य उज्जैन श्री बलराम बंजारा द्वारा मंदिर निर्माण हेतु 1 लाख 51 हजार रुपये सहयोग राशि देने की घोषणा की गई। श्री संजीव अग्रवाल ने 23 फीट भूमि निर्माण का सहयोग देने की घोषणा की, जबकि पाटीदार समाज के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कृष्णकांत पाटीदार ने 11 हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान करने की घोषणा की। इसके अलावा अनेक भक्तों ने भी अपनी श्रद्धानुसार दान राशि अर्पित की। कार्यक्रम में डॉ. कमल बोरदिया, डॉ. असित राय, सत्यनारायण पाटीदार, कैलाश पटेल, रमेशचंद्र पाटीदार, मनीष दुबे, देवेंद्र मंडलोई, कृपाराम पाटीदार, बसंतीलाल पाटीदार, मोहनलाल पाटीदार कड़ोद, दशरथ पाटीदार सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहित सिंह चौहान ने किया तथा दानदाताओं की सूची का वाचन भी किया। अंत में सभी दानदाताओं का शील्ड एवं फटके से सम्मान किया गया तथा आभार श्रीमती सीमा पांचाल द्वारा व्यक्त किया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद ,खरगोन जिला खरगोन (म. प्र)

निविदा सूचना क्रमांक/ 47/MCK/6344/ ई टेंडर/2026 — खरगोन दिनांक 11/ 05/ 2026

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगरपालिका परिषद खरगोन द्वारा पंजीकृत ठेकेदार/सप्लायर/फर्म से निम्नानुसार कार्य की दरें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेंडर न./ आई. डी.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
2026_UAD_506780_1 Dt- 12/05/2026	निकाय के कार्यों के लिए जेसीबी मशीन में ब्रेकर के क्रय किया जाना।	01- माह लागत-60.00 लाख	10000/- 45000/-	10/06/2026 05:30 PM

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

(छाया जोशी) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद खरगोन | (भोलू कर्म) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद खरगोन | धीरेन्द्र सिंह चौहान (सभापति) लो.नि. आवास एवं विधुत यांत्रिकी नगर पालिका परिषद खरगोन | (कमला कोल) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद खरगोन

झुग्गी बस्ती के बच्चों संग मनाया जन्मदिन, बांटी खुशियां और अपनापन

संयुक्त लहर, राकेश सिंह

बदनावर। जरूरतमंद बच्चों के बीच पहुंचकर उनकी खुशियों में शामिल होना आज समाजसेवा का एक प्रेरणादायी माध्यम बनता जा रहा है। महंगे होटल और पार्टियों तक सीमित रहने के बजाय अब युवा वर्ग एवं सामाजिक संगठन जरूरतमंद परिवारों के बीच जाकर जन्मदिन मनाकर मानवता और समरसता का संदेश दे रहे हैं। इसी कड़ी में नगर की सामाजिक कार्यकर्ता पारुल चौहान द्वारा संचालित सेवार्थ सेतु फाउंडेशन लगातार सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य कर रहा है। संस्था से जुड़े युवा सदस्य अपने जन्मदिन जरूरतमंद बस्तियों में जाकर बच्चों के साथ मनाते हैं तथा समय-समय पर कंबल, कपड़े, साड़ियां, कॉपियां, पेन, स्वेटर सहित अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण भी करते हैं। फाउंडेशन की सदस्य प्रियांशी सुधीर चौहान ने अपना जन्मदिन झुग्गी बस्ती में पहुंचकर छोटे-छोटे बच्चों के साथ बड़े उत्साह से मनाया। इस दौरान बच्चों के साथ केक काटा गया तथा उन्हें अपने हाथों से केक, मिठाई, बिस्कुट और समोसे खिलाए गए। बच्चों की खुशी देखते ही बन रही थी। वे तालियां बजाकर नाचते और जन्मदिन का आनंद लेते नजर आए। इस अवसर पर पारुल चौहान ने कहा कि समाज के उन परिवारों तक पहुंचना जरूरी है, जो किसी कारणवश हमारे पास नहीं पहुंच पाते या संकोच महसूस करते हैं। सेवा और समरसता के माध्यम से ही समाज के हर वर्ग को एक-दूसरे से जोड़ा जा सकता है। कार्यक्रम में अश्विन, पूर्वा एवं संस्कृति सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

समर फेस्ट 2के 26 का भव्य समापन बच्चों की प्रतिभा ने मोहा मन

संयुक्त लहर, राकेश सिंह

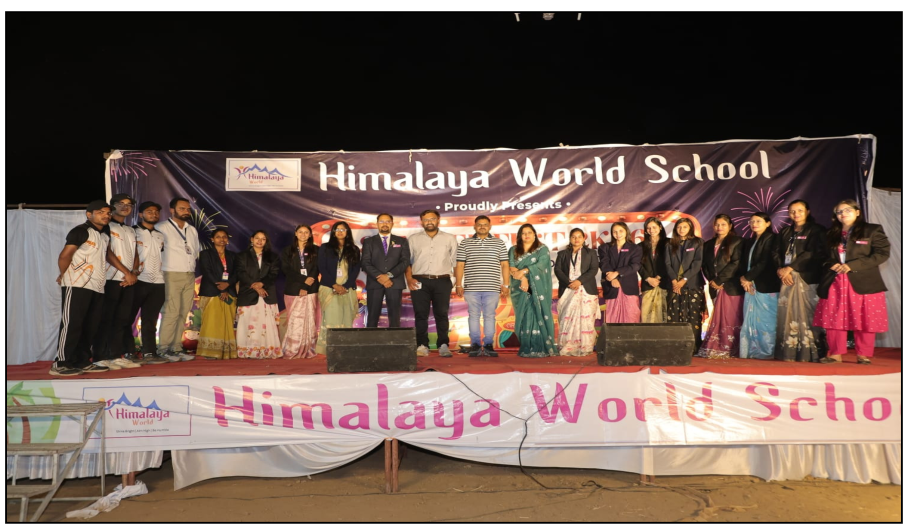

बदनावर। शिक्षा के साथ संस्कार रचनात्मकता और आत्मविश्वास का समन्वय ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की पहचान है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हिमालया वर्ल्ड स्कूल द्वारा आयोजित समर फेस्ट 2के 26 का रंगारंग समापन समारोह उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम ने सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के क्षेत्र में नई मिसाल पेश की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, समूह नृत्य और मनमोहक कार्यक्रमों से उपस्थित जनसमुदाय का दिल जीत लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा, जिसमें मोबाइल की बढ़ती लत और उससे दूर होकर खेलकूद एवं पारिवारिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया गया। बच्चों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर सोचने पर मजबूर कर दिया। विद्यालय परिसर में लगे फन फेयर ने आयोजन को और भी रोचक बना दिया। फूड स्टॉल, गेम जोन, क्रिएटिव एक्टिविटी एवं टैटू स्टॉल्स पर बच्चों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के माध्यम से बच्चों में टीम भावना, रचनात्मक सोच और उद्यमिता के गुण विकसित करने का प्रयास किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्वतंत्र प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा, धर्मेंद्र अग्निहोत्री, विनय नाहर, सचित बाहेती एवं मुकेश राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए हिमालया वर्ल्ड स्कूल को क्षेत्र का अग्रणी शिक्षण संस्थान बताया। विद्यालय के डायरेक्टर तेजेश जोशी एवं श्रीमती पूर्वी जोशी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। वहीं एकेडमिक डीन नमन मेहता ने आधुनिक शिक्षा में रोबोटिक्स, तकनीकी शिक्षा एवं उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य समीर जॉन ने आयोजन की सफलता का श्रेय विद्यार्थियों के अनुशासन एवं शिक्षकों के सहयोग को दिया। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक और प्रेरणादायी आयोजन निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम काश्यप विद्यापीठ ने रचा सफलता का नया कीर्तिमान

संयुक्त लहर, राकेश सिंह

बदनावर। सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होते ही काश्यप विद्यापीठ परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण छा गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर यह साबित कर दिया कि समर्पित मेहनत अनुशासित अध्ययन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सफलता की सबसे मजबूत नींव होती है।

इस वर्ष विद्यालय के 40 विद्यार्थियों में से 34 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर संस्था की गौरवशाली उपलब्धियों में नया अध्याय जोड़ा। विद्यालय की मेधावी छात्रा हिमाद्री चांडक ने 95.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अनिक धोका ने 93.8 प्रतिशत, काव्या जैन ने 90.8 प्रतिशत तथा आयुष पाटीदार ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यालय के लिए सबसे गौरवपूर्ण उपलब्धि तब रही जब छात्र अनिक धोका ने अकाउंटेंसी विषय में शत-प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया।

वाणिज्य संकाय में नूरुद्दीन बोहरा (88.8प्रतिशत), वासव सोलंकी (88.2प्रतिशत), आयुष गोस्वामी (85.6प्रतिशत), गायत्री पंवार (83.2प्रतिशत) एवं जाग्रव शर्मा (82प्रतिशत) ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। वहीं विज्ञान संकाय में खुशी पाटीदार ने 86.8 प्रतिशत, गीतिका राठौर ने 76.8 प्रतिशत तथा सिद्धिका जैन ने 74.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

काश्यप विद्यापीठ अपनी स्थापना काल से ही उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों और संस्कारयुक्त शिक्षा के लिए विशेष पहचान रखता है। लगातार बेहतर परिणाम इस बात के प्रमाण हैं कि विद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण और उज्ज्वल भविष्य के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।

इस शानदार सफलता पर प्राचार्य नंदा व्यास एवं समन्वयक विपिन जैन ने विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने विद्यालय की ट्रस्टी श्रीमती नीता काश्यप के प्रेरणादायी नेतृत्व और मार्गदर्शन को इस सफलता का प्रमुख आधार बताया। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ दिल्ली की इंदौर जिला कार्यकारिणी घोषित, विनोद शर्मा जिलाध्यक्ष उपाध्यक्ष बने धर्मेंद्र सोलंकी सचिव बने कमल चौधरी मिली जिम्मेदारी

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (नई दिल्ली) की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा इंदौर जिला कार्यकारिणी की घोषणा शुक्रवार को गरिमामय समारोह में की गई। पिपलियाराव रोड स्थित मधुर मिलन गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में जिला एवं तहसील स्तर के नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर शपथ दिलाई गई। समारोह में प्रदेश स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों और पत्रकारों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम, कार्यकारी अध्यक्ष सत्यनारायण वैष्णव एवं अरविंद द्विवेदी, प्रदेश संगठन मंत्री राहुल सिंह राणा, प्रदेश महासचिव रामगोपाल बंसल और प्रदेश सचिव जुनैद खान प्रमुख रूप से मौजूद रहे। नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन मंत्री राहुल सिंह राणा ने शपथ दिलाई। समारोह में शहडोल जिलाध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, विदिशा जिलाध्यक्ष हाकिम सिंह रघुवंशी, महासचिव योगेश पंथी सुनील यादव इन्दौर अनिल पटेल सांवेर सहित एडवोकेट जगदीश जोशी, एडवोकेट विजय कुमावत और सुशील श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने संगठन की मजबूती और पत्रकार हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। नई कार्यकारिणी में विनोद शर्मा को जिलाध्यक्ष तथा प्रवीण जैन को महासचिव नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अंकित राठौर (महू), यत्नेश सेन (देपालपुर), धर्मेंद्र सोलंकी (सांवेर) और पूर्णिमा बीसे को सौंपी गई। सचिव पद पर जितेश पाठक, उदय सिंह चावड़ा और कमल चौधरी को नियुक्त किया गया। इसके अलावा संयुक्त सचिव के रूप में विनोद शर्मा, महेश शर्मा टोनी, संतोष परमार और करण मेनारिया को दायित्व मिला। शिवाजी श्रीवास्तव को संगठन मंत्री एवं अनिल कौशल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में जितेंद्र सोनी, ललित शर्मा, डॉ. भास्कर तिवारी, विजय जोशी, गजेंद्र वैष्णव, दीनदयाल डांगी और कुंदन करडवाल को शामिल किया गया। ग्रामीण और तहसील स्तर पर संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न ब्लॉकों में भी नियुक्तियां घोषित की गईं। देपालपुर ब्लॉक अध्यक्ष दीपक जाट और सचिव जितेंद्र नकुम, सांवेर ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश कटारिया और सचिव डॉ. अतुल लाड़ना, महू ब्लॉक अध्यक्ष अमित उपाध्याय और सचिव आकाश राठौर बनाए गए। वहीं हातोद ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी धीरेंद्र व्यास को दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंचित स्वर्णकार ने किया, जबकि आयोजन में आलोक शर्मा अकेला, डॉ. पंकज विरमाल, नवनीत शुक्ला और ऋषिकांत श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विनोद शर्मा ने सभी अतिथियों, वरिष्ठ पत्रकारों और उपस्थित साथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकारों की उपस्थिति ने संगठन की एकजुटता और सक्रियता को प्रदर्शित किया।

सर्विस रोड की मांग को लेकर किसानों का प्रशासन और नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया नहीं के खिलाफ बड़ा आक्रोश

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

सांवेर। भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसानों ने प्रस्तावित पश्चिमी रिंग रोड परियोजना के विरोध में सांवेर, देपालपुर और हातोद तहसीलों में भू-अर्जन अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने मांग की कि उनकी आजीविका और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य आगे न बढ़ाया जाए। पश्चिमी रिंग रोड परियोजना को लेकर किसानों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। किसान संघ और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन एवं नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो गांवों में परियोजना का कार्य नहीं होने दिया जाएगा। किसान संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि पूर्व में तत्कालीन कलेक्टर, प्रशासनिक अधिकारियों,अधिकारियों तथा किसान संघ के पदाधिकारियों की बैठक में यह सहमति बनी थी कि पश्चिमी रिंग रोड परियोजना में सर्विस रोड की स्वीकृति होने तक किसानों के लिए अस्थायी कच्चा रास्ता उपलब्ध कराया जाएगा। लेकिन अब अधिकारियों द्वारा स्पष्ट रूप से कहा जा रहा है कि परियोजना में सर्विस रोड का कोई प्रावधान नहीं है। किसानों का कहना है कि प्रशासन और अधिकारियों की मौजूदगी में हुए आश्वासन पर यदि अमल नहीं किया जा रहा, तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। किसानों ने आरोप लगाया कि वे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और गांवों में जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। बैठक में किसान नेताओं ने स्पष्ट कहा कि या तो किसानों को सर्विस रोड और वैकल्पिक रास्ता दिया जाए, अन्यथा परियोजना का काम आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों का आक्रोश बढ़ता है और कोई अप्रिय स्थिति निर्मित होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। किसानों ने कई व्यावहारिक समस्याएं भी उठाईं। उनका कहना है कि सड़क निर्माण से खेत दो हिस्सों में बंट जाएंगे, सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होगी और कई किसानों के बोरवेल सड़क के दूसरी ओर चले जाएंगे। ऐसे में खेतों तक पानी पहुंचाने की समस्या का कोई समाधान प्रशासन की ओर से नहीं दिया गया है। बरलाई गांव के एक किसान का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया गया कि उसकी जमीन पर ह।ढ्ढ ने कब्जा कर लिया, लेकिन आज तक न तो अवार्ड जारी हुआ और न ही मुआवजा मिला। किसानों ने इसे 'भू-माफिया जैसी कार्यप्रणाली' बताते हुए प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए। किसान संघ ने कहा कि इस रोड के लिए डेढ़ साल तक संघर्ष करने के बाद कई मुद्दों पर सहमति बनी थी, लेकिन अब प्रशासन अपनी बातों से पीछे हट रहा है। किसानों ने प्रशासन से न्याय की मांग करते हुए कहा कि अधिकारी जनता और शासन के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। अंत में किसानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। किसान केवल अपने अधिकार, सम्मान और न्यायपूर्ण समाधान की मांग कर रहा है। विकास के नाम पर किसानों की उपेक्षा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

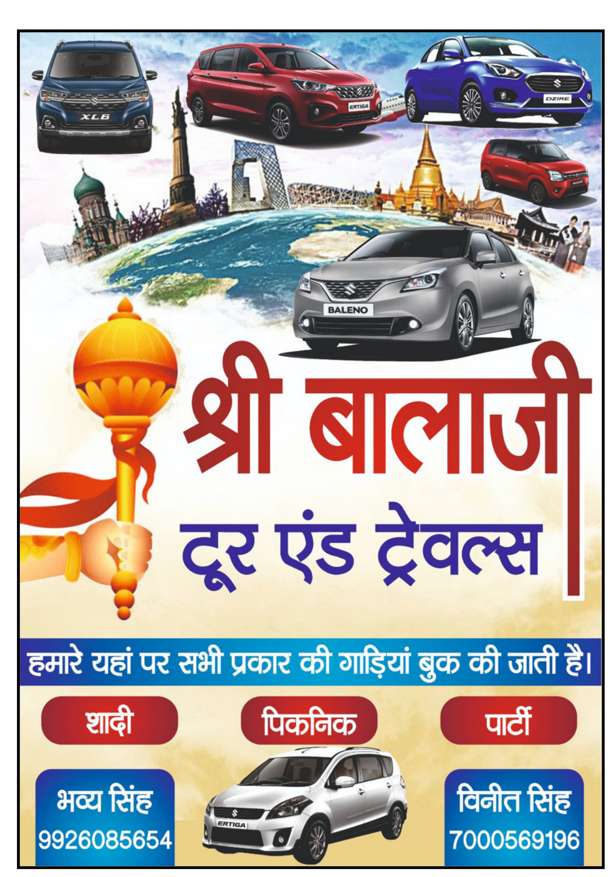

घाटों से होकर सुरक्षित यात्रा की ओरः इंदौर-खंडवा राजमार्ग के रूपांतरण से जुड़ी पहल, पहाड़ी क्षेत्र में यात्रा सुगम बनाने के लिए तीन सुरंगें

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर और खंडवा के बीच घुमावदार घाट वाली सड़कों पर वर्षों से केवल वाहन ही नहीं चलते थे। इन पर चिंता, देरी और अनिश्चितता भी छाई रहती थी। सिमरोल के किसान प्रदीप गौली को वे यात्राएँ अच्छी तरह याद हैं। उपज को बाजार तक ले जाना केवल दूरी की बात नहीं थी; यह जोखिम से भी जुड़ा था। तीखे मोड़, यातायात की भीड़ और कठिन घाट वाले इलाकों में वाहनों के पलटने का निरंतर भय, मंडी और बाजारों तक समय पर पहुंचना भी अनिश्चित बना देता था। खराब माल और बाजार के अवसरों का नुकसान, इस कठिन सड़क की कीमत का हिस्सा थे। हालांकि, यह वास्तविकता अब बदलने की दहलीज़ पर है। इंदौर-इच्छापुर कॉरिडोर के अंतर्गत, 33.4 किलोमीटर लंबे तेजाजी नगर-बलवारा खंड राष्ट्रीय राजमार्ग -347 बीजी को दो लेन से चार लेन में बदलने से इंदौर और खंडवा जैसे प्रमुख शहरों के बीच संपर्क मजबूत होगा। यह केवल सड़क चौड़ीकरण नहीं है। यह मध्य प्रदेश के एक महत्वपूर्ण कॉरिडोर में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संपर्क की पुनर्कल्पना है। इस कॉरिडोर के रास्ते उज्जैन और ओंकारेश्वर तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को ले जाने वाले ड्राइवर रणजीत सिंह के लिए यह यात्रा हमेशा से ही सावधानी की मांग करती रही है। संकरी दो लेन वाली सड़कें, चुनौतीपूर्ण घाट खंडों से गुजरते हुए तीखे मोड़, बढ़ता यातायात और लगातार होने वाली दुर्घटनाएं हर यात्रा को ड्राइवर और यात्रियों दोनों के लिए तनावपूर्ण बना देती थीं। सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी और देरी होना आम बात थी। वर्षों से सड़क की इस हालत को देख रहे एक स्थानीय निवासी याद करते हुए बताते हैं कि कैसे बसें ढलानों से नीचे गिर जाती थीं और 10 किलोमीटर तक लंबा जाम लग जाता था, जो कभी-कभी कई दिनों तक लगा रहता था। ये

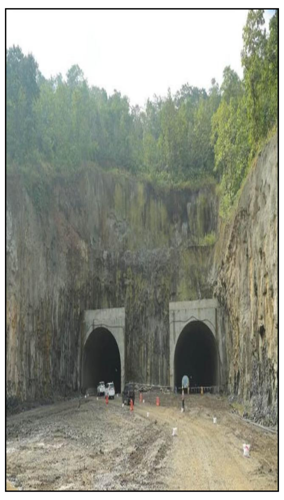

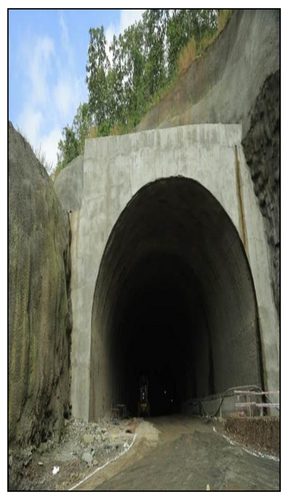

छिटपुट घटनाएं नहीं थीं, बल्कि एक ऐसा सिलसिला था जिसने लोगों के जीवन, स्वास्थ्य सेवाओं और आजीविका को बाधित किया। और बुनियादी ढांचे के बीच इस अंतर ने एक अत्यावश्यक आवश्यकता को उजागर किया: एक आधुनिक, कुशल कॉरिडोर जो न केवल यात्रा को आसान बना सके, बल्कि आर्थिक प्रवाह को मजबूत कर सके, क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा दे सके और तेजी से विकसित हो रहे परिवहन नेटवर्क की मांगों को पूरा कर सके। पहाड़ी क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के लिए तीन सुरंगों का निर्माण इंदौर के पास तीन सुरंगों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ये सुरंगें नई ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि (एनएटीएम) का उपयोग करके बनाई जा रही हैं, जिससे क्षेत्र के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में वाहनों का आवागमन, विशेष रूप से मानसून और व्यस्त यातायात के समय में अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा। इनमें भेरूघाट सुरंग (575 मीटर), बैग्राम सुरंग (480 मीटर) और चोराल घाट सुरंग (550 मीटर) शामिल हैं। यह विकास सरकार द्वारा क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने के लिए शुरू की गई इंदौर-इच्छापुर कॉरिडोर पहल का हिस्सा है। भेरूघाट और चोराल घाट जैसे प्रमुख यातायात अवरोधों की समस्या इन सुरंगों के निर्माण से स्थायी रूप से हल हो जाएगी और दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएं:

इंदौर-इच्छापुर कॉरिडोर के अंतर्गत एनएच-347बीजी के 33.4 किलोमीटर लंबे तेजाजी नगर-बलवारा खंड का 4 लेन का निर्माण प्रगति स्थिति: 88 प्रतिशत पूर्ण 924.44 करोड़ रुपये का निवेश इंजीनियरिंग संबंधी मुख्य बिंदु: जोखिम भरे घाट खंडों से बचने के लिए तीन सुरंगों - भेरुघाट, बैग्राम और चोराल घाट - का निर्माण कम भीड़भाड़ के साथ तेज़ और सुरक्षित यात्रा तथा ओंकारेश्वर और खंडवा जैसे प्रमुख स्थलों से बेहतर कनेक्टिविटी महाराष्ट्र के जलगांव होते हुए इंदौर और हैदराबाद के बीच बेहतर कनेक्टिविटी इंदौर-इच्छापुर आर्थिक गलियारे के माध्यम से गति प्रदान करना: इस गलियारे को बेहतर बनाना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इंदौर को मध्य प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी माना जाता है, जो उद्योग, व्यापार, व्यवसाय और शिक्षा में अपनी मजबूत उपस्थिति के लिए प्रसिद्ध है। वहीं, खंडवा दक्षिणी मध्य प्रदेश में एक महत्वपूर्ण परिवहन और रेलवे जंक्शन है, जो कई महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों को जोड़ता है। यह क्षेत्रीय व्यापार और धार्मिक संपर्क, विशेष रूप से पूजनीय ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, सुंदर हनुवंतिया द्वीप और दादा धुनीवाले दरबार के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। लंबे समय से, इंदौर-खंडवा मार्ग राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी रही है, जो कृषि उत्पादों, औद्योगिक वस्तुओं और लोगों, व्यापारियों और तीर्थयात्रियों की अनगिनत दैनिक यात्राओं की आवाजाही को सुगम बनाती है। लेकिन सड़क को कई चुनौतियों, जैसे कि सीमित चौड़ाई, बढ़ता यातायात दबाव, तीखे मोड़ और कठिन घाट खंड का सामना करना पड़ा। इसके परिणामस्वरूप यात्रा का समय बढ़ गया, ईंधन की खपत बढ़ गई और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया, विशेष रूप से मानसून और कोहरे की स्थिति में का सामना करना पड़ा। अब यह कहानी बदलने वाली है क्योंकि परियोजना पूरी होने के करीब है और इस साल के अंत तक तैयार होने की संभावना है।

कम भीड़भाड़ के साथ तेज़ आवागमन

तेजाजी नगर-बलवारा सड़क का निर्माण कार्य इस समय 88 प्रतिशत पूरा हो चुका है और इससे इंदौर से ओंकारेश्वर तक का यात्रा समय, जो पहले 2 से 3 घंटे लगता था, घटकर मात्र 1 घंटे रह जाएगा। सुरंगों के खुलने से यात्रियों को भारी ट्रैफिक जाम और खतरनाक घाट वाले मोड़ों से बड़ी राहत मिलेगी और उनकी यात्रा आरामदायक होगी। किसानों और स्थानीय समुदायों की रोज़मर्रा की चुनौतियों में कमी प्रदीप जैसे किसानों के लिए, आने वाली सुरंगें एक बेहद ज़रूरी राहत लेकर आई हैं। वे कहते हैं, 'पहले जब हम अपनी फसलें ले जाते थे, तो हमें डर लगता था कि कहीं हमारा वाहन पलट न जाए। ट्रैफिक जाम होता था और हमारी फसलें खराब हो जाती थीं। समय पर बाजार न पहुँचने पर, वहाँ भी माल बेचने में परेशानी होती थी। इन सुरंगों से हमारी कई समस्याएँ, विशेष रूप से जाम की समस्या दूर हो जाएँगी।

विधवा महिला की जमीन पर कब्जा - जनसुनवाई में गुहार, न्याय के लिए दर-दर भटक रही पीड़िता

रजिस्ट्री, नामांतरण और सीमांकन के बाद भी नहीं मिला कब्जा, भूमाफियाओं के आगे प्रशासन मौन

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

खरगोन। जिले के खरगोन नगर स्थित बजरंग नगर, जैतापुर में एक विधवा महिला की वैधानिक भूमि पर कथित कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़िता दीपिका पटेल ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2016 में विधिवत रजिस्ट्री करवाकर खरीदी गई उनकी जमीन पर दूसरे पक्ष द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है, लेकिन लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता के अनुसार उन्होंने खसरा क्रमांक 29/52/12 स्थित 1200 वर्गफीट भूमि अखिलेश मण्डलोई से विधिवत ई-पंजीयन के माध्यम से

खरीदी थी। इतना ही नहीं, तहसील कार्यालय में नामांतरण की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है तथा राजस्व रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज है। इसके बावजूद पड़ोसी खसरा क्रमांक 29/52/10 से संबंधित पक्ष द्वारा कथित रूप से जमीन पर तार फेंसिंग कर कब्जा कर लिया गया।

मेरी ही जमीन पर मुझे बेदखल कर दिया

दीपिका पटेल ने आरोप लगाया कि कई बार निवेदन करने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया, उल्टा उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़िता का कहना है कि पूर्व में सीमांकन भी उनके पक्ष में हो चुका है, लेकिन इसके बाद भी प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होना गंभीर सवाल खड़े करता है। तहसील से लेकर कलेक्टर कार्यालय तक गुहार। पीड़िता ने तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय सहित अन्य अधिकारियों को आवेदन देकर न्याय की मांग की है। अब मामले की प्रतिलिपि संभागायुक्त इंदौर को भी भेजी गई है। आवेदन में अवैध कब्जा हटाने, पुनः सीमांकन कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

भूमाफियाओं के हौसले बुलंद?

मामले ने शहर में भूमाफियाओं की बढ़ती सक्रियता और प्रशासनिक निष्क्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रजिस्ट्री, नामांतरण और सीमांकन के बाद भी किसी व्यक्ति को अपनी जमीन का कब्जा नहीं मिल पा रहा है, तो आम नागरिकों की संपत्ति कितनी सुरक्षित है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

विधवा महिला बोली न्याय नहीं मिला तो करूंगी बड़ा आंदोलन

पीड़िता दीपिका पटेल ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह लोकायुक्त और उच्च स्तर पर शिकायत कर आंदोलन करने को मजबूर होंगी।

सिर्वी नवचेतना युवा शिविर के समापन अवसर पर 30 यूनिट हुआ रक्तदान

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

कुक्षी। अखिल भारतीय सिर्वी महासभा मध्यप्रदेश जिला धार निमाड़ व जिला युवा संगठन के सयुंक्त प्रयास से कुक्षी के एलिजियंस ऐकेडमी स्कूल मे आयोजित सिर्वी नवचेतना युवा शिविर में बच्चों को संस्कार के साथ साथ सेवा का पाठ भी पढ़ाया गया। मां माटी मानव सेवा संस्थान (टीम रक्तदूत) द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन शिविर स्थल पर किया गया जिससे प्रेरित होकर भविष्य में यही बच्चे वयस्क होकर इस मानव सेवा जीवन बचाओ अभियान से सीख लेकर रक्तदान करके मानवता का नया प्रतिमान प्रस्तुत करेंगे। समापन अवसर पर इस शिविर में शामिल शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सेवा में लगे पदाधिकारी व कार्यकर्ता बन्धुओं ने

कुल 30 यूनिट रक्त देकर शिविर को सार्थक बनाया। टीम रक्तदूत और सिर्वी समाज संगठन के जिलाध्यक्ष अध्यक्ष विक्रम चोयल,युवा संगठन जिलाध्यक्ष सुनील सेप्टा,कुक्षी नगर भाजपा मण्डल अध्यक्ष युवराज सेप्टा,मनीष भायल,मोहन बर्फा, कैलाश सोलंकी,अरविन्द काग,महेन्द्र हम्मड़,भरत परिहार, जेनिश सोलंकी,

डॉ.कपील काग, विनोद चौहान,दीपक हम्मड़, दुर्गेश हम्मड़, जितेन्द्र सर आदि का रक्त संग्रहण में सराहनीय योगदान रहा।

जन सुनवाई मे प्राप्त आवेदनों का 7 दिवस में निराकरण करें– महापौर

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

देवास। महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा बुधवार 13 मई को निगम बैठक हाल में महापौर जनसुनवाई की गई। महापौर ने नागरिकों से उनकी निगम संबंधि समस्याओं के आवेदन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उनका निराकरण समय सीमा के किए जाने के निर्देश दिए। नागरिकों के द्वारा महापौर को गणेशपुरी बालगढ मे अवैध अतिक्रमण हटाने, मक्सी बायपास स्थित भक्ति एवेन्यू कालोनी, वार्ड 4 देवश्री नगर मे नाला एवं नालियों की सफाई, वार्ड 19 गौतम नगर नाला नाली सफाई एवं वार्ड मे स्थित उद्यान मे बाउंड्रीवाल निर्माण,वार्ड 43 बालगढ मे जो नालियां चौक हैं उनकी सफाई, पठान कुआ पर बिना निगम की

अनुमति से भवन निर्माण करने की शिकायत के साथ अन्य समस्याओं के आवेदन महापौर ने जनसुनवाई मे लिए जिसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौका मुआयना कर 7 दिवस में निराकरण करने के निर्देश महापौर ने दिए। महापौर जनसुनवाई के दौरान विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह बैस, उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, लेखा

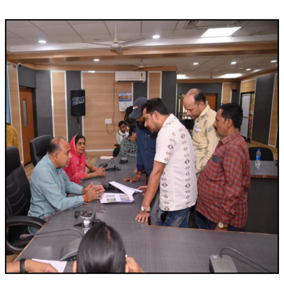

अधिकारी दिलीप गर्ग, प्र.कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती, जगदीश वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी, कार्यालय अधिक्षक रणजीतसिंह पंजाबी, सहायक यंत्री जितेन्द्र सिसोदिया, दिनेश चौहान, मुशाहीद हन्फी, राजस्व अधिकारी अनुभूति श्रीवास्तव, स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार, हेमन्त उबनारे, हरेन्द्रसिंह ठाकुर, उपयंत्री राजेश कौशल, विशाल जगताप, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, कैलाश दशोर व नागरिकगण उपस्थित रहे।

मानव अधिकारों पर केन्द्रीत 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन

इन्दौर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देशभर के नागरिकों से मानव अधिकार विषय पर लघु फिल्में आमंत्रित की गई हैं। आयोग द्वारा जारी सूचना के अनुसार लघु फ़िल्म 3 से 10 मिनट की होना चाहिए। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 2 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपये का रखा गया है। इसके अलावा कुछ चयनित फिल्मों को विशेष सम्मान और अन्य नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली फिल्म 3 से 10 मिनट की होनी चाहिए। मानव अधिकारों पर आधारित फिल्म हिंदी या किसी भी अन्य भारतीय भाषा में बनाई जा सकती है 6 तक गूगल ड्राइव लिंक के माध्यम से पर भेज सकते हैं।

साहब के आदेश में 'दम' पर मैदानी अमला 'बेदम' कलेक्टर के आदेश को ठेंगा दिखा रहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

कार्यकर्ता गांव में ही नहीं, तो कौन करेगा बच्चों की सेहत की निगरानी, मुख्यालय से नदारद रहने के कारण व्यवस्थाएं ठप्प

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

खरगोन। जिले में बढ़ते पारे और भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों की सेहत की चिंता तो की है, लेकिन मैदानी स्तर पर यह चिंता केवल सरकारी कागजों तक सिमट कर रह गई है। कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा आंगनवाड़ियों का समय बदलने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि न तो केंद्र समय पर खुल रहे हैं और न ही जिम्मेदार कर्मचारी मुख्यालय पर मिल रहे हैं। समीक्षा बैठकों में सख्ती, धरातल पर 'मस्ती' कलेक्टर महोदय हर समीक्षा बैठक में आंगनवाड़ियों की कार्यप्रणाली को लेकर कड़े तेवर दिखाती हैं। इसके बावजूद, जिले की कई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और

सहायिकाएं मुख्यालय पर रहने के बजाय अप-डाउन कर रही हैं। देरी से खुलते ताले: सुबह 8:00 बजे केंद्र खुलने के बजाय कई जगहों पर सन्नाटा पसरा रहता है। मुख्यालय से दूरी: कार्यकर्ता अपने कार्यस्थल पर रहने के बजाय दूर शहरों से आवाजाही करती हैं, जिससे गृह भेंट और बच्चों की निगरानी का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जिम्मेदारों की चुप्पी: विभाग के डीपीओ और सुपरवाइजर कुपोषण मुक्त जिले का सपना तो देख रहे हैं, लेकिन मैदानी अमले की इस लापरवाही पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। कुपोषण के खिलाफ जंग में लापरवाह बना सिस्टम। एक तरफ सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है ताकि कोई बच्चा कुपोषित न रहे, वहीं दूसरी तरफ मैदानी अमले की गैर-मौजूदगी इस अभियान को खोखला कर रही है। जब कार्यकर्ता समय पर केंद्र नहीं खोलेंगी और गांव में मौजूद नहीं रहेंगी, तो बच्चों को मिलने वाला पोषण आहार और सलाह कागजी खानापूर्ति बनकर रह जाएगी। बच्चों के लिए राहत, स्टाफ के लिए सख्ती। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों को तो दोपहर 12 बजे छुट्टी देकर राहत दे दी है, लेकिन आंगनवाड़ी स्टाफ के लिए नियम और कड़े कर दिए हैं। नए आदेश के मुताबिक, भले ही नौनिहालों के लिए केंद्र का समय सुबह 8 से 12 बजे तक रहेगा, किंतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को दोपहर 3 बजे तक केंद्र पर अनिवार्य रूप से मौजूद रहना होगा। इस अतिरिक्त समय में उन्हें न केवल रिकॉर्ड अपडेट करने और शाला पूर्व शिक्षा की तैयारी करने के निर्देश हैं, बल्कि कुपोषण से लड़ने के लिए अनिवार्य 'गृह भेंट' (होम विजिट) भी करनी होगी। कलेक्टर के इन सख्त निर्देशों का सीधा संदेश है कि बच्चों को धूप से बचाना है, लेकिन उनके पोषण और विकास की मॉनिटरिंग में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब देखना यह है कि कागजों पर उतरी यह सख्ती उन कार्यकर्ताओं पर कितनी असरदार होती है जो अक्सर मुख्यालय से नदारद रहकर व्यवस्था को ठेंगा दिखाती हैं।

'संगत से पंगत तक का सफर ही राम कथा का सार' : पं. बालकृष्ण नागर हजारो श्रद्धालुओं ने ग्रहण की महाप्रसादी

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

कुक्षी। श्री उत्तरमुखी हनुमान मंदिर में चल रही श्री राम कथा के दौरान कथावाचक पंडित श्री बालकृष्ण नागर ने 'संगत से पंगत' विषय पर मार्मिक उद्बोधन दिया। पं. नागर ने कहा कि 'राम कथा की संगत अर्थात सत्संग में बैठना मात्र पर्याप्त नहीं है। संगत का वास्तविक लाभ तब है जब हम पंगत अर्थात सेवा, समरसता और सहभोज तक पहुंचें। भगवान राम ने भी केवट, शबरी,

निषादराज को गले लगाकर संगत को पंगत में बदला था। यही राम राज्य का आधार है।' उन्होंने आगे कहा कि कथा पंडाल में सभी जाति, वर्ग के लोग एक साथ बैठकर कथा सुनते हैं यह 'संगत' है, और कथा के बाद जब सभी एक पंक्ति में बैठकर बिना भेदभाव के प्रसादी ग्रहण करते हैं, वह 'पंगत' है। जीवन में भी हमें इस भाव को

उतारना चाहिए। कथा के अंतिम दिवस पर कथावाचक पंडित श्री बालकृष्ण नागर ने प्रभु श्रीराम के 14 वर्ष वनवास पूर्ण कर अयोध्या आगमन एवं राज्याभिषेक प्रसंग का ऐसा मार्मिक वर्णन किया कि सम्पूर्ण पंडाल भाव-विभोर हो उठा। कथा श्रवण करते-करते कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। पं. नागर ने कहा, 'राम कथा केवल कानों से

सुनने की नहीं, बल्कि जीवन में उतारने की कथा है। राम का आदर्श हर घर में स्थापित हो, यही कथा का मूल उद्देश्य है।' इस अवसर पर श्री उत्तरमुखी हनुमाम मंदिर समिति ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समस्त भक्तों के तन-मन-धन के सहयोग से ही यह नौ दिवसीय भव्य आयोजन निर्विघ्न संपन्न हो सका।

विशाल भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाबनवदिवसीय श्री राम कथा के समापन के पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में कुक्षी सहित आसपास के क्षेत्रों से आए करीब 05 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर सिर्वी समाज सकल पंच समिति की कार्यकारणी, समाज के समस्त ग्रुप सहित समस्त पदाधिकारी, प्रतिदिन कथा श्रवण कर रहे सैकड़ों श्रद्धालु, सर्वसमाज के बंधु एवं नगर के गणमान्य वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

संजय कपूर प्रॉपर्टी विवाद केस : करिश्मा के बच्चों के पक्ष में हुई सुनवाई के बाद मां ने दायर करवाई याचिका

करिश्मा कपूर के पूर्व पति और इंडस्ट्रियलिस्ट संजय कपूर का प्रॉपर्टी विवाद कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जून 2025 में हुए संजय कपूर के निधन के बाद करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा ने सौतेली मां प्रिया कपूर पर फर्जी वसीयत बनवाने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई थी। कोर्ट ने सुनावई के दौरान वसीयत पर शक होने पर प्रिया द्वारा संजय कपूर की प्रॉपर्टी बेचने पर रोक लगा दी थी। अब संजय कपूर की मां सीमा कपूर ने नई याचिका दायर कर कंपनी की बोर्ड मीटिंग रोके जाने की मांग की है। संजय की मां रानी कपूर ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दाखिल कर मांग की है कि प्रिया कपूर और कुछ अन्य लोग आरके फैमिली ट्रस्ट के कामकाज में दखल न दें। याचिका के अनुसार, 18 मई को एक बोर्ड मीटिंग रखी गई है, जो 8 मई को जारी कोर्ट के नोटिस के बाद बुलाई गई थी। इस बोर्ड मीटिंग का लक्ष्य कंपनी का नया डायरेक्टर नियुक्त करना है। रानी कपूर ने याचिका में 18 मई के लिए शेड्यूल इस बोर्ड मीटिंग पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि जब तक मध्यस्थता की प्रोसेस पूरी नहीं होती, तब तक कोई ट्रस्ट के काम में दखल न दे। करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा ने कोर्ट में दावा किया है कि प्रिया सचदेवा ने उनके पिता की एक फर्जी वसीयत तैयार की है। बच्चों का आरोप है कि प्रिया ने कोर्ट में संपत्तियों की जो लिस्ट पेश की है, वह अधूरी है। उनके मुताबिक, इस लिस्ट में संजय की कई महंगी रोलेक्स घड़ियां, पोलो खेलने वाले कीमती घोड़े और करोड़ों की पेंटिंग्स का जिक्र नहीं किया गया है। बच्चों का कहना है कि संजय कपूर की कई अचल संपत्तियां भी इस सूची से बाहर रखी गई हैं। याचिका में बच्चों ने कहा था कि उनके पिता उन्हें वसीयत से अलग नहीं कर सकते थे, क्योंकि वो उनसे बेहद क्लोज थे। उनके निधन के बाद प्रिया कपूर ने उन्हें एक वसीयत दिखाई, जिसमें उनका नाम नहीं था। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि संजय कपूर की संपत्ति को सुरक्षित रखा जाना जरूरी है ताकि उसे नष्ट न किया जा सके। कोर्ट ने प्रिया सचदेवा को किसी भी संपत्ति को बेचने से रोक दिया है और संजय के बैंक खातों के संचालन पर भी फिलहाल पाबंदी लगा दी है। कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अब यह साबित करने की जिम्मेदारी प्रिया की है कि वसीयत असली है। अगर अभी कार्रवाई नहीं की गई और बाद में वसीयत फर्जी निकली, तो यह बच्चों के साथ बड़ा अन्याय होगा जून 2025 में 53 साल के संजय कपूर की इंग्लैंड में एक पोलो मैच के दौरान कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई थी। रानी कपूर का कहना है कि बेटे की मौत के बाद उनकी तीसरी पत्नी प्रिया कपूर ने पूरी ग्रुप कंपनियों पर नियंत्रण कर लिया और उन्हें संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं दिया।

फिल्म एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया महाकाल मंदिर पहुंचीं

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मंगलवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। उन्होंने भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद लिया। तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचीं तमन्ना भाटिया नंदी हाल में बैठकर भक्ति भाव से भस्म आरती में शामिल हुईं। इस दौरान वे मस्तक पर चंदन लगाए पूरी तरह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक उन्होंने भस्म आरती का दिव्य नजारा देखा। आरती के बाद अभिनेत्री ने नंदीजी का पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। भस्म आरती के बाद तमन्ना ने कहा, आज भगवान ने मुझे बुलाया था। बाबा महाकाल के बुलावे पर ही भक्त यहां आते हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। आज जो आरती देखने को मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। आरती में शामिल होकर बहुत ऊर्जा मिलती है। सब लोग एक साथ बैठकर जिस तरह आरती देखते हैं, ऐसा दृश्य कहीं और देखने को नहीं मिलता।

पति पत्नी और वो 2' स्टार्स ने दिए रिलेशनशिप टिप्स

फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' में आयुष्मान खुराना एक ऐसे पति प्रजापति पांडे के किरदार में नजर आएंगे, जिसे बेहद समझदार, भरोसेमंद और परिवार को महत्व देने वाला दिखाया गया है। फिल्म के इसी रिश्तों वाले पहलू पर दैनिक भास्कर से खास बातचीत में वामिका गब्बी, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह ने खुलकर अपनी राय रखी। बातचीत के दौरान तीनों एक्ट्रेसेस ने लॉयल पार्टनर, रिश्तों में भरोसा, रेड फ्लैग-ग्रीन फ्लैग, रिलेशनशिप सलाह और अपनी निजी सोच से जुड़े कई दिलचस्प जवाब दिए। साथ ही उन्होंने बताया कि तनावभरी जिंदगी में खुद को शांत कैसे रखती हैं और क्यों फैमिली एंटरटेनर फिल्में हमेशा लोगों के दिल के करीब रहती हैं। सवाल: अगर असल जिंदगी में आपको प्रजापति पांडे जैसा भरोसेमंद पति मिले तो आपका रिएक्शन क्या होगा जवाब/ वामिका गब्बी: ये तो बहुत पर्सनल बात होगी, इसलिए ज्यादा नहीं बताऊंगी। लेकिन अगर कोई इंसान सच में इतना सच्चा और भरोसेमंद हो, तो उसके साथ जिंदगी आराम से बिताई जा सकती है। सारा, अगर आपको ऐसा परफेक्ट लाइफ पार्टनर मिले तो सबसे पहले क्या सोचेंगी जवाब/ सारा अली खान: फिल्म में प्रजापति पांडे को बहुत ईमानदार और अच्छा इंसान दिखाया गया है। अगर असल जिंदगी में ऐसा कोई मिला, तो शायद मैं पहले यही सोचूंगी कि इतना परफेक्ट इंसान सच में हो सकता है या नहीं। क्या आज के समय में भी पूरी तरह लॉयल लोग मिलते हैं जवाब/ रकुल प्रीत सिंह: बिल्कुल मिलते हैं। कई बार ऐसा तब होता है जब आप किसी को ढूंढना छोड़ देते हैं। फिर अचानक कोई ऐसा इंसान मिल जाता है जिसके साथ सबकुछ नैचुरली जुड़ने लगता है। रिश्तों में शक या गलतफहमी को कैसे खत्म किया जा सकता है जवाब/ वामिका गब्बी: मेरे हिसाब से खुलकर बातचीत करना सबसे जरूरी है। अगर किसी बात को लेकर मन में परेशानी है, तो सामने वाले से ईमानदारी से बात करनी चाहिए। आपके हिसाब से रिश्ते में सबसे बड़ा रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या होता है जवाब/ वामिका गब्बी: जो इंसान जानवरों या किसी भी जीवित चीज के प्रति संवेदनशील नहीं है, वो मेरे लिए रेड फ्लैग है। वहीं जो प्यार और सम्मान देना जानता हो, वो ग्रीन फ्लैग है। सारा, आपके लिए रिश्ते में सबसे जरूरी चीज क्या है जवाब/ सारा अली खान: मेरे लिए झूठ बोलना सबसे बड़ा रेड फ्लैग है। वहीं ऐसा इंसान जो आपको खुश रख सके और हंसा सके, वो सबसे बड़ा ग्रीन फ्लैग है। सवाल: रकुल, एक अच्छे पार्टनर में कौन-सी क्वालिटी सबसे खास लगती है जवाब/ रकुल प्रीत सिंह: जो इंसान आपकी सफलता से खुश हो और हर कदम पर आपका सपोर्ट सिस्टम बने, वही सबसे अच्छा पार्टनर होता है। क्या रिलेशनशिप में दूसरों की सलाह जरूरी होती है जवाब/ रकुल प्रीत सिंह: मुझे लगता है कि रिश्तों को सबसे बेहतर वही दो लोग समझते हैं जो उसमें होते हैं। इसलिए ज्यादा सलाह लेना हमेशा काम नहीं आता। इंडस्ट्री में किस स्टार का सेंस ऑफ ह्यूमर सबसे ज्यादा पसंद है जवाब/ रकुल प्रीत सिंह: सारा अली खान। वो हर माहौल को मजेदार बना देती है मिम्स और सोशल मीडिया ट्रोलिंग को सबसे अच्छे तरीके से कौन संभालता है जवाब/ वामिका गब्बी: मुझे लगता है अक्षय कुमार।

तलाक की खबरों से सुर्खियों में मौनी रॉय पति को सोशल मीडिया से किया अनफॉलो

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय तलाक की अफवाहों से चर्चा में हैं। इसी बीच मौनी रॉय ने सोशल मीडिया से पति को अनफॉलो कर तलाक की खबरों को और तेज कर दिया है। मौनी रॉय के तलाक की खबरें सोशल मीडिया से शुरू हुईं। सामने आया कि कपल को लंबे समय से एक-दूसरे के साथ पब्लिकली स्पॉट नहीं किया गया है। इसी बीच मौनी रॉय की सोशल मीडिया फॉलोविंग और फॉलोवर्स लिस्ट देखने से सामने आया कि वो पति सूरज नांबियार को फॉलो ही नहीं कर रही हैं। ठीक इसी तरह उनके पति भी उन्हें फॉलो नहीं करते। हालांकि ये साफ नहीं है कि ये सिलसिला पहले से चला आ रहा है या कपल ने हाल ही में एक-दूसरे को अनफॉलो किया है। इसके अलावा मौनी का इंस्टाग्राम अकाउंट खंगालने से सामने आया है कि उन्होंने पति के साथ पोस्ट की हुई सभी तस्वीरें हटा दी हैं। साल 2024 तक उनके अकाउंट में पति की कोई तस्वीर ही नहीं है। सूरज नांबियार का इंस्टाग्राम खंगालने पर सामने आया कि वो सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं। उन्होंने मौनी के साथ आखिरी पोस्ट 2024 में पोस्ट की थी, जिसके बाद उनके अकाउंट की आखिरी पोस्ट अप्रैल 2025 की है। मौनी रॉय ने 22 जनवरी 2022 में बिजनेसमैन सूरज नांबियार से गोवा में शादी की थी। ये शादी मलयाली रीति-रिवाजों से हुई। इसके बाद मौनी ने सोशल मीडिया पर पति के साथ वेकेशन की कई खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की थीं। साल 2025 में मौनी रॉय फिल्म भूतनी में नजर आई थीं। जल्द ही वो तमिल फिल्म विश्वंभरा में कैमियो करती दिखेंगी।

पहले आदित्य धर को चोर कहा, अब मांगी माफी धुरंधर 2 की स्क्रिप्ट चुराने के आरोप लगाए थे

धुरंधर 2 की स्क्रिप्ट चोरी का विवाद अब खत्म हो गया है। मानहानि का केस करने के बाद आदित्य धर पर स्क्रिप्ट चुराने का आरोप लगाने वाले संतोष कुमार अब माफी मांग ली है। जबकि अप्रैल में उन्होंने दावा किया था कि आदित्य धर ने उनकी लिखी स्क्रिप्ट चुराकर फिल्म बनाई। 30 मार्च को हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संतोष कुमार ने आदित्य धर को चोर कहा और स्क्रिप्ट चोरी का आरोप लगाया। इसके बाद आदित्य धर ने बॉम्बे हाईकोर्ट में संतोष कुमार के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज की। हाल ही में हुई सुनवाई में आदित्य धर का केस लड़ रहे सीनियर एडवोकेट डॉ. बिरेंद्र सराफ ने कोर्ट में कहा कि अगर संतोष कुमार ये आश्वासन देते हैं कि वो भविष्य में इस तरह की कोई मानहानिकारक टिप्पणी नहीं करेंगे, तो वो ये मामला सुलझाने के लिए तैयार हैं। इस पर संतोष कुमार के वकील ने बिना शर्त माफी पेश की और आश्वासन दिया कि अब आदित्य धर के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया जाएगा। माफी मांगे जाने के बाद आदित्य धर ने मानहानि और हर्जाने की मांग आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया। अदालत ने संतोष कुमार की माफी स्वीकार कर मामला खारिज कर दिया है। संतोष कुमार ने मार्च में रखी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि धुरंधर की स्क्रिप्ट उन्होंने लिखी थी, लेकिन बाद में आदित्य दर ने उस कहानी पर धुरंधर 2 बना दी। उन्होंने कहा, 'आप सबने देखा होगा कि फिल्म बहुत अच्छी चल रही है। ये मूवी देखने के बाद मुझे पता चला कि ये मेरी स्क्रिप्ट है। मेरी कहानी है। मैंने इसे बहुत मेहनत से किया था। 2023 में मैंने यहां आकर बहुत सारी कंपनियों को स्टोरी नरेट की थी। मुझे कहा गया था कि अगर आपको बड़ा एक्टर चाहिए, तो बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी लेकर आओ। मैं सोनी के पास गया, जी के पास गया, टी-सीरीज के पास गया, धर्मा प्रोडक्शन के पास गया।' आगे उन्होंने कहा, 'मुझे इस फिल्म की स्क्रिप्ट के लिए आदित्य रॉय कपूर चाहिए था। मैंने बहुत कोशिश की। मैंने बहुत डायरेक्टर्स को स्क्रिप्ट भेजी। मैं स्क्रीनराइटर एसोसिएशन का हिस्सा था, मैंने वहां भी स्क्रिप्ट रजिस्टर करवाई है, नवंबर 2023 में। मेरे पास सारे सबूत हैं। मेरे पास तस्वीरें हैं, स्क्रिप्ट हैं, स्केच हैं। मैं इस फिल्म के खिलाफ केस कर रहा हूं। फिल्म अच्छी है, लेकिन उन लोगों ने मेरे काम का दुरुपयोग किया है। फिल्म सिनेमा एंटरटेनमेंट थी, लेकिन उन्होंने इसे पॉलिटिकल प्रोपेगेंडा बना दिया।

तेलुगु एक्टर भरत कांत का सड़क हादसे में निधन : ट्रक से कार टकराई

तेलुगु एक्टर भरत कांत की हैदराबाद में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस हादसे में सिनेमैटोग्राफर जी. साई त्रिलोक की भी जान चली गई। दुर्घटना आदिबाटला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आउटर रिंग रोड के एग्जिट नंबर 12 के पास हुई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि हादसा रविवार देर रात हुआ, जब कार पीछे से एक ट्रक से टकरा गई। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आदिबाटला पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच जारी है। भरत कांत ने 2021 की फिल्म ग्रामम और 2024 की फिल्म टेनेंट में काम किया था। उन्होंने वेब सीरीज गीतांजलि और पार्वती परमेश्वरुलु में भी एक्टिंग की थी। बिग बॉस फेम और टीवी एक्ट्रेस आशु रेड्डी ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर कर भरत कांत के निधन पर दुख जताया है। भरत कांत उनके करीबी दोस्त थे। आशु रेड्डी ने इंस्टाग्राम पर भरत के साथ अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। उन्होंने लिखा, 'तुम्हारे बिना जो खालीपन आया है, वह कभी नहीं भरेगा। तुम हमेशा मेरे दिल में रहोगे।' आशु रेड्डी ने 2019 में बिग बॉस तेलुगु सीजन 3 में हिस्सा लिया था और 'फोकस' (2022) और (2023) जैसी फिल्मों में काम किया है। आशु रेड्डी ने 2019 में बिग बॉस तेलुगु सीजन 3 में हिस्सा लिया था और 'फोकस' (2022) और 'स्पाकः.' (2023) जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'मुझे आपके निधन की खबर पर विश्वास नहीं हो रहा है। काश यह सच न होता। हम दोनों ने साथ में जो पल बिताए और जो प्यार आपने मुझे दिया, उसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। आपके जाने का दुख कभी कम नहीं होगा। आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।

मंदाना करीमी ने 16 साल बाद भारत छोड़ा : बोलीं- अब यहां घर जैसा नहीं लगता; पहले कहा था इंडिया ने मुझे धोखा दिया

बिग बॉस 9' और 'लॉकअप' फेम एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने आखिरकार भारत छोड़ दिया है। 16 साल तक हिंदुस्तान में रहने के बाद उन्होंने एक इमोशनल वीडियो शेयर कर देश को अलविदा कहा। मंदाना ने भारत को अपना 'दूसरा घर' बताया था, लेकिन पिछले कुछ समय से वे अपनी सुरक्षा और बेबाक बयानी की वजह से लगातार विवादों और सुर्खियों में बनी हुई थीं। एयरपोर्ट से शेयर किया इमोशनल वीडियो मंदाना ने इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन के दौरान फैंस को यह खबर दी। एक फैन ने उनसे पूछा था कि क्या उन्होंने मुंबई हमेशा के लिए छोड़ दिया है इसके जवाब में मंदाना ने एयरपोर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं ऐसा कह पाऊंगी, लेकिन अलविदा भारत। यह मुश्किल होने वाला है। लगभग 16 साल यहां बिताने के बाद मैं अपने दूसरे घर को पीछे छोड़ रही हूं। अब एक नई शुरुआत की ओर बढ़ रही हूं, नया देश, नया घर, सब कुछ नया।' पहले कहा था भारत ने मुझे धोखा दिया एक्ट्रेस ने भारत छोड़ने की मुख्य वजह अपनी सुरक्षा को बताया है। इससे पहले बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में मंदाना ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा, पिछले दो महीनों में मुझे मुंबई में बहुत अकेलापन महसूस हुआ। ईरान के हक में बोलने और विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने की वजह से मैंने अपने कई पुराने दोस्त खो दिए। मुझे महसूस हो रहा है कि भारत ने एक तरह से मुझे धोखा दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वे ईरान भी वापस नहीं जा सकतीं, क्योंकि वहां उन पर 10 साल पहले ही बैन लगा दिया गया था। खामेनेई की मौत पर जश्न और विवाद मंदाना करीमी पिछले दिनों तब चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर खुशी जताई थी। उन्होंने दावा किया था कि खामेनेई ने ईरान के लोगों पर बहुत अत्याचार किए हैं। मंदाना ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें अपने एक्टिविज्म के लिए भारत में किसी का सपोर्ट नहीं मिला। मंदाना करीमी का जन्म तेहरान में हुआ था। वह 2010 में पहली बार मॉडलिंग के लिए भारत आई थीं और 2013 से मुंबई में ही बस गईं। उन्होंने 'क्या कूल हैं हम 3', 'मैं और चार्ल्स' और 'भाग जॉनी' जैसी फिल्मों में काम किया।

सोनू निगम फैन से बोले-पिटने वाले काम क्यों करते हो

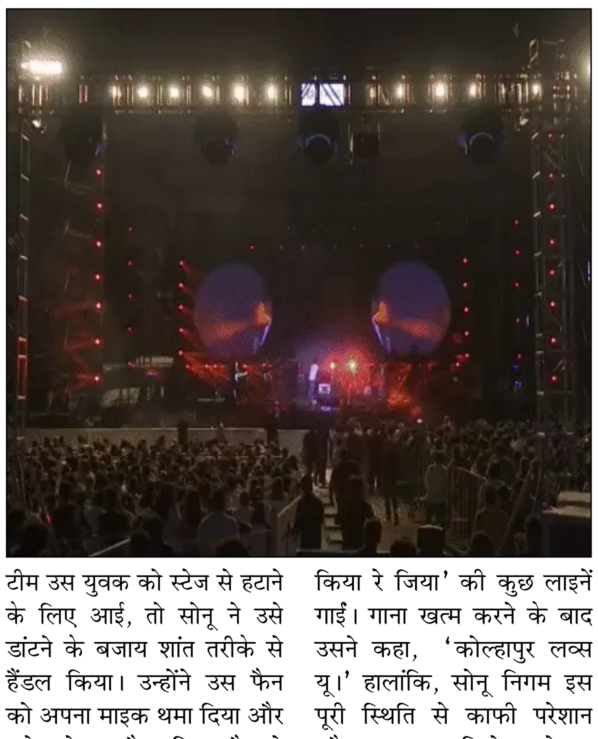

सिंगर सोनू निगम कोल्हापुर में एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान अचानक एक फैन स्टेज पर चढ़ गया। वह स्टेज पर सिंगर के पैर छूने की कोशिश करने लगा। इस घटना से सोनू निगम काफी असहज नजर आए। उन्होंने अब सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए दर्शकों को चेतावनी दी है। कोल्हापुर में बीच शो में सुरक्षा चूक सोनू निगम पिछले हफ्ते कोल्हापुर में परफॉर्म कर रहे थे। वे अपने एक हिट गाने में मगन थे, तभी सफेद टी-शर्ट पहने एक युवक अचानक सिक्योरिटी घेरा तोड़कर स्टेज पर पहुंच गया। सोनू ने जैसे ही उसे अपनी तरफ आते देखा, वे गाना छोड़कर पीछे हट गए। फैन ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लेने की कोशिश की। इस वजह से शो को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। ुस्सा करने के बजाय फैन को थमाया माइक जब सिक्योरिटी टीम उस युवक को स्टेज से हटाने के लिए आई, तो सोनू ने उसे डांटने के बजाय शांत तरीके से हैंडल किया। उन्होंने उस फैन को अपना माइक थमा दिया और उसे गाने का मौका दिया। फैन ने 'दबंग' फिल्म का गाना 'चोरी किया रे जिया' की कुछ लाइनें गाईं। गाना खत्म करने के बाद उसने कहा, 'कोल्हापुर लव्स यू।' हालांकि, सोनू निगम इस पूरी स्थिति से काफी परेशान और असहज दिखे। सोशल मीडिया पर दर्शकों को दी चेतावनी कंसर्ट के एक दिन बाद सोनू निगम ने इस घटना का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'क्यों पिटने वाले काम करते हो ऑडियंस इस बार तो बचा लिया, हर बार नहीं बचा पाऊंगा।' उन्होंने तंज कसते हुए वीडियो में फैन की हरकत पर 'वाह, शाबाश!' भी कहा। लाइव शो में बढ़ रही हैं ऐसी घटनाएं कलाकारों के साथ लाइव शो के दौरान बदतमीजी या सुरक्षा में चूक की घटनाएं पिछले कुछ महीनों में बढ़ी हैं। हाल ही में दिल्ली में 'धुरंधर' सिंगर जैस्मीन सैंडलस के साथ भी एक फैन ने स्टेज पर गलत व्यवहार किया था। इसके अलावा आतिफ असलम और सुनंदा शर्मा जैसे मशहूर सिंगर्स को भी कंसर्ट के दौरान ऐसी ही स्थितियों का सामना करना पड़ा है।

सम्पादकीय

एआई में आगे बढ़ने के लिए विदेशी डेटा सेंटरों को छूट कितनी उचित

भारत एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसका एक जरिया विदेशी कंपनियों के लिए भारत में डेटा सेंटर की स्थापना को आसान करना भी है। डेटा सेंटर ऐसी कंप्यूटर सिस्टम्स फेसेलिटी हैं, जो डेटा स्टोर करने में इस्तेमाल होती हैं और क्लाउड स्टोरेज से लेकर एआई तक हर चीज को सपोर्ट करती हैं। इस साल के बजट में विदेशी कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 21 साल की टैक्स छूट दी गई है। केंद्र की इस टैक्स छूट के अलावा, राज्य सरकारों ने भी विदेशी डेटा सेंटरों को कई तरह के प्रोत्साहन दिए हैं। लेकिन अमेरिका में देखें तो इन्हीं कंपनियों के डेटा सेंटरों में बड़े निवेश के प्रस्ताव स्थानीय विरोध के कारण वापस ले लिए गए हैं। तब सवाल उठता है कि एआई इकोनॉमी में प्रवेश करने के लिए विदेशी डेटा सेंटरों की मेजबानी करना क्या भारत के लिए सही रणनीति है? पहले तो हम देखें कि इस टैक्स छूट को लेने वाली विदेशी कंपनियों के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की कोई शर्त नहीं रखी गई है और न ही भारत में एआई मैन्युफैक्चरिंग और तकनीकी क्षमता बढ़ाने के कोई प्रावधान हैं। मौजूदा भारत-अमेरिका ट्रेड फ्रेमवर्क के तहत भारत ने वादा किया है कि वह तकनीकी समेत 500 अरब डॉलर तक की अमेरिकी वस्तुएं और सेवाएं खरीदेगा। अमेरिकी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरणों पर आयात प्रतिबंध भी हटाएगा। ऐसे में बहुत संभावना है कि भारत में डेटा सेंटर चलाने वाली कंपनियां घरेलू क्षमता विकसित करने के बजाय अमेरिका से उपकरणों का आयात करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए संवर रहा उज्जैन

पेट्रोल-डीजल की मितव्ययता पर प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर अधिकारियों ने बस से किया भ्रमण

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 महापर्व के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विश्व भर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधाजनक रूप से मोक्षदायिनी शिप्रा नदी में स्नान कराने और श्रद्धालुओं की मेजबानी के लिए उज्जैन संवरने लगा है। पांच दिन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने शिप्रा किनारे पैदल 36.5 किलोमीटर भ्रमण करते हुए घाट से जोड़कर बनाए जाने वाले प्रस्तावित मार्गो के लिए 140 स्थान चिन्हित कर तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर पेट्रोल-डीजल की मितव्ययिता नियम का अनुसरण करते हुए अधिकारी बस में सवार होकर निरीक्षण के लिए पहुंचे। सिंहस्थ 2028 के लिए निर्माणाधीन विकास कार्यों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रस्तावित मार्ग चिन्हित करने के लिए नियमित निरीक्षण के तहत बुधवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के साथ अधिकारियों की टीम सुबह पेट्रोल-डीजल बचाने का संदेश देते हुए एक ही बस में सवार होकर निरीक्षण पर निकले। सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन 29 किलोमीटर के नए घाट और सभी घाटों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले प्रस्तावित एप्रोच रोड के लिए स्थान चिन्हित किए। निरीक्षण के पांचवें दिन अधिकारियों ने लाल पुल ब्रिज के नीचे स्थित घाट क्षेत्र से निरीक्षण शुरू करते हुए गऊघाट, वेधशाला के पीछे, वाकणकर ब्रिज के समीप, जीवन खेड़ी, श्री शनि मंदिर के समीप पुराने और निर्माणाधीन नवीन घाट तक पहुंच मार्ग तैयार करने के लिए प्रस्तावित स्थानों को चिन्हित किया। निरीक्षण के दौरान विशेष कर्तव्यवस्थ अधिकारी श्री गोपाल डाड, यूडीए सीईओ श्री संदीप सोनी सहित सिंहस्थ कार्यों को गतिशीलता देने वाले विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। संभागायुक्त श्री सिंह के साथ पांच दिनों से किए जा रहे निरीक्षण के दौरान शिप्रा नदी के दोनों किनारों की 36.5 किलोमीटर लंबी दूरी तय कर 140 स्थान चिन्हित किए गए। एप्रोच रोड़ निर्माण के लिए शिप्रा नदी के किनारों पर निर्माणाधीन नवीन घाट और पुराने घाट भी शामिल किए गए है। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि घाट से 200 मीटर एरिया में जो स्थान चिन्हित किए है उन स्थानों पर श्रद्धालुओं को घाट तक आने और जाने के लिए प्रस्तावित एप्रोच रोड़ का निर्माण सुविधाजनक और सहज हो इसका ध्यान रखें। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि एप्रोच रोड़ के लिए स्थान चिन्हित होने के बाद अब यह सूची पुलिस विभाग को सौंपी जाएगी। पुलिस विभाग के माध्यम से भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन को लेकर प्लान तैयार किया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ के लिए विकास कार्य प्रगतिरत है। सबसे महत्वपूर्ण है कि सिंहस्थ में विश्व भर से आने वाले श्रद्धालुओं को वाहन पार्किंग के साथ ही स्नान के लिए घाट तक पहुंचाने के लिए सुविधाजनक एप्रोच रोड़ का निर्माण किया जाए। व्यवस्थित पार्किंग क्षेत्र और घाट तक सुविधाजनक आने जाने के मार्ग होने से भीड़ प्रबंधन और यातायात प्रबंधन करने में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर शिप्रा नदी के 29 किलोमीटर क्षेत्र में नव निर्माणाधीन घाटों के माध्यम से 24 घंटे के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं को शिप्रा में स्नान कराने के बाद सुरक्षा और सुविधा के साथ गंतव्य तक पहुंचाया जा सकेगा। सिंहस्थ के लिए सभी विभागों ने निर्माणाधीन विकास कार्यों की गति तेज कर दी है।

विधायक ठाकुर ने किया सड़क निर्माण का भूमिपूजन

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

महू। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'किसान समृद्धि' के विजन और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की ग्रामीण कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देने की नीति के तहत आज क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश यादव ने उपयुक्त जानकारी देते हुए बताया कि विधायक सुश्री उषा जी ठाकुर ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन कर आशापूरा से मलेंडी तक बनने वाली 4 करोड़ 14 लाख रुपए की सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर जनपद अध्यक्ष सरदार मालवीय,वरिष्ठ भाजपा नेता मांगीलाल चौधरी,वर्मा सिंह,बीरबल डाबर,मनोज पाटीदार,मुकेश जरिया,सुभाष पाटीदार,ललिता निनामा,सुरेश जाट,माखन मंडले,राजकपूर वर्मा,रूपेश वाघमोरे,धरम कश्यप,श्याम केलोत्रा, इंदर तंवर,संतोष पाटीदार, आनंदीलाल विश्वकर्मा, संतोष पटेल, घनश्याम बडियार, सोनू जिराती, लक्ष्मण सिंगारे, जीवन गुर्जर, तुलसीराम बनारसी, मंटू यादव, सोहन पटेल, संजय चौधरी, राकेश जरमा, दीपक यादव, अजय जाट, प्रद्युम्न यादव, कैलाश जाट, धारासिंह मकवाना, श्यामलाल गेहलोद,सतीश डाबर सहित बड़ी संख्या में किसान बंधु,ग्रामीणजन एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक ठाकुर ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि अन्नदाता किसान की आय दोगुनी हो और खेत से बाजार तक की दूरी कम हो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार उसी दिशा में गांव-गांव तक पक्की सड़कें पहुंचा रही है। यह सड़क बनने से हमारे किसान भाइयों को अपनी उपज मंडी तक ले जाने में आसानी होगी, समय और डीजल दोनों की बचत होगी। किसानों को सीधा लाभ बरसात में कीचड़ और गड्ढों के कारण किसानों को अपनी फसल ट्रैक्टर-ट्रॉली से निकालने में भारी परेशानी होती थी। नई सड़क बनने से गांव के सैकड़ों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। सुश्री ठाकुर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री मोदी जी के 'जीरो टॉलरेंस' और मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के 'गुणवत्तापूर्ण निर्माण' के संकल्प के अनुरूप कार्य समय-सीमा में पूरा हो।

महू एस डी एम राकेश परमार द्वारा मानपुर जनगणना चार्ज अधिकारी सी एम ओ सहित प्रगणकों सम्मानित किया गया

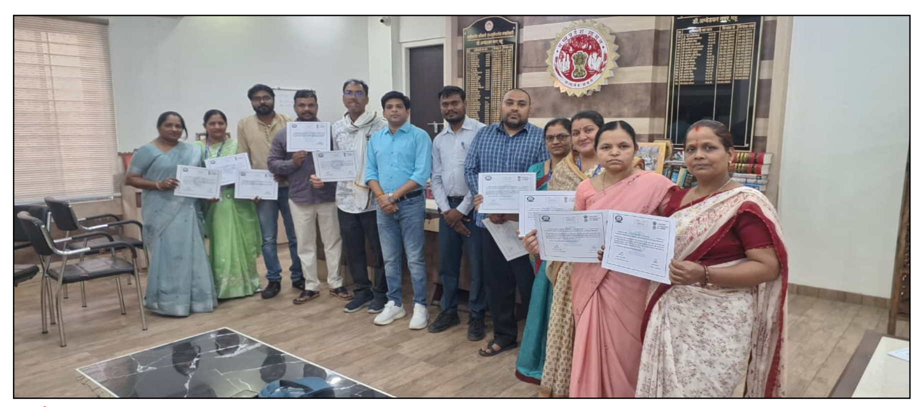

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

मानपुर। देश प्रदेश में विगत एक माह से चल रहे जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सुचिकरण, भवन नंबरिंग एवं परिवार जानकारी जैसे कई कार्यों को सम्मिलित किया गया था। जिसमें मानपुर नगर के चार्ज अधिकारी एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी चन्द्रशेखर माहौर द्वारा स्वयं के क्षेत्र में सह जनगणना प्रभारी, प्रगणकों एवं उनके सुपरवाइजरों के साथ समन्वय कर सौंपे गए दायित्व को सफलतापूर्वक पूर्ण कराया गया उनके द्वारा सह जनगणना प्रभारी को कार्य हेतु स्वतंत्र माहौल प्रदान कर कार्य को पूर्ण कराया गया। कार्य में प्रगणक दारा सिंह चौहान के द्वारा चोटिल होने के उपरांत भी कार्य को पूर्ण किया गया जिन्हें नपा अधिकारी द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की। शासन के इस अभियान में मानपुर नगर परिषद द्वारा जिले में द्वितीय एवं महू तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया व प्रथम चरण को निर्विघ्न पूर्ण किया गया। उनके कार्य में सम्मिलित समस्त कर्मचारियों द्वारा उनके नेतृत्व की सराहना की एवं नगर परिषद द्वारा दिए गए पूर्ण सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। जनगणना 2027 में मुख्यत: भूमिका सह जनगणना प्रभारी मनोज यादव, कर्मचारी विकास चौहान, यश जाट,जितेंद्र खांडेकर, विनोद खाटकी,पूजा पंड्या एवं जनगणना सुपरवाइजरों मनीष अग्रवाल, धारासिंह चौहान,विमल वर्मा ने निभाई। अनुविभागीय अधिकारी श्री राकेश परमार ने चार्ज अधिकारी सी एम ओ चन्द्रशेखर माहौर एवं उनके दल की प्रशंसा कर सम्मानित किया।

आर्मी वार कॉलेज द्वारा एकेडमी को 100 पुस्तकें भेंट

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

महू। कोदरिया स्थित विद्यालय श्री एकेडमी की लाइब्रेरी में आर्मी वार कॉलेज महू की कांबेट लाइब्रेरी के द्वारा विद्यार्थियों के उपयोग हेतु कहानी,उपन्यास,कविता ,चित्रकारी, कंप्यूटर ,प्रेरणादायक पुस्तकें,महापुरुषों की जीवनी की 100 पुस्तकें भेंट की।जिनका बाजार मूल्य लगभग 25000 है। यह पुस्तकें आर्मी वार कॉलेज की कांबेट लाइब्रेरी की ओर से श्री अकादमी के डायरेक्टर राजेश पाटीदार को भेंट की। श्री एकेडमी परिवार की ओर से आर्मी वार कॉलेज के शिक्षा के क्षेत्र में इस सामाजिक सहयोग के लिए धन्यवाद प्रेषित किया गया।

राधिका शर्मा ने 12वीं सीबीएससी परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक हासिल कर बढ़ाया मान

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

RADHIKA SHARMA

महू। केंद्रीय विद्यालय महू की छात्रा राधिका शर्मा ने कक्षा 12वीं की सीबीएससी परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन किया है। राधिका महू निवासी मनीष शर्मा एवं सिंधु शर्मा की पुत्री हैं। राधिका की इस सफलता पर विद्यालय परिवार, परिजनों एवं इष्ट मित्रों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। मेहनत और लगन से हासिल की गई इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। राधिका ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों एवं नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने बताया कि वह आगे लॉ की तैयारी कर रही हैं और भविष्य में मजिस्ट्रेट बनकर समाज एवं न्याय व्यवस्था में योगदान देना चाहती हैं।

भारतीय सेन समाज के प्रदेश संगठन

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

मनावर। भारतीय सेन समाज के प्रदेश संगठन के पुन: निर्माण के साथ प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सेन पलसूद कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल सेन महू की सहमति से प्रदेश उपाध्यक्ष करण सिंह दरबार टोकी प्रदेश प्रवक्ता जयप्रकाश सेन मनावर की अनुशंसा पर भारतीय सेन समाज तहसील मनावर के अध्यक्ष पद पर समाजसेवी मोहनलाल सेन बकानेर तथा गंधवानी तहसील के अध्यक्ष पद पर समाजसेवी संतोष सेन गंधवानी को जिला अध्यक्ष माधव सेन मनावर ने नियुक्ति पत्र देकर मनोनीत किया इस अवसर पर समाजजन उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत गंगेडी में रात्रि कालीन कृषक संगोष्ठी और जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। उप संचालक कृषि श्री यू.एस. तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कृषक कल्याण वर्ष 2026 के रूप में घोषित किया गया है। जिसके तहत किसानों के हितों लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में गत दिवस 12 मई को ग्राम पंचायत गंगेडी में रात्रि कालीन कृषक संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को ई- टोकन प्रणाली से खाद वितरण की संपूर्ण जानकारी, नरवाई प्रबंधन, फसल विविधिकरण, प्राकृतिक खेती, खेती में लागत कम करने उपाय एवं आगामी खरीफ सीजन के लिए के पूर्व तैयारी के संबंध में समसामयिक विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच श्री मुकेश आंजना, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए. के. दीक्षित, परियोजना संचालक आत्मा के श्री एस. कैन, सहायक संचालक कृषि श्री कमलेश कुमार राठौर, बीटीएम श्री राजेश चौहान , कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री पूनम एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहें।

आयुष विभाग द्वारा हर घर योग, हर व्यक्ति निरोग कार्यक्रम के अंतर्गत योग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन 20 जून तक किया जाएगा

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। आयुष विभाग के निर्देशानुसार 12 वें योग दिवस के व्यापक आयोजन के लिए सम्पूर्ण प्रदेश की आयुष संस्थाओं में योग प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला आयुष अधिकारी डॉ. मनीषा पाठक के निर्देशन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैरवगढ़ में 12 मई से 20 जून तक 'हर घर योग, हर व्यक्ति निरोग' थीम पर योग प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य को नित्य योग से जोड़कर स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है। शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैरवगढ़ में ''हर घर योग, हर व्यक्ति निरोग'' कार्यक्रम के अंतर्गत योग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता गुजराती (एम.डी.) द्वारा सभी को योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम एवं ध्यान के बारे में विस्तार से बताया गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारी में पूर्ण सक्रियता के साथ जुटा सम्पूर्ण निगम अमला

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 में करोड़ो श्रृद्धालुओं के स्वागत हेतु उज्जैन शहर में हजारों करोड़ो के विकास एवं निर्माण कार्य मा. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी मध्यप्रदेश शासन के परिकल्पना एवं मंशानुरूप किये जा रहे है। विकास एवं निर्माण कार्यो के साथ ही शहर को साफ, स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने हेतु स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 अन्तर्गत उज्जैन नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के नेतृत्व में शहर को स्वच्छ, सुंदर, हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से निरंतर व्यापक स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। नगर निगम उज्जैन का लक्ष्य उज्जैन को देश के सबसे स्वच्छ एवं आदर्श शहरों की श्रेणी में स्थापित करना है। इसके लिए शहरभर में स्वच्छता, जन-जागरूकता, सौंदर्यीकरण एवं नागरिक सहभागिता पर विशेष फोकस किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख घाटों, तालाबों एवं नदी क्षेत्रों में महापौर एवं निगम अध्यक्ष के साथ ही जनसहयोग से विशेष सफाई अभियान चलाकर जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत जल स्रोतों की साफ-सफाई के साथ नागरिकों को जल संरक्षण हेतु प्रेरित किया जा रहा है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों की सहभागिता से श्रमदान कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से निगम द्वारा लगातार प्लास्टिक प्रतिबंध अभियान संचालित किया जा रहा है। बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता अभियान, रैलियाँ एवं वाहन रैलियों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई भी की जा रही है, जिससे शहर में स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गंदगी के बड़े स्त्रोतों को हटाने हेतु विशेष ळटच् रिमूवल अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं दीवारों का सौंदर्यीकरण, पेंटिंग एवं थीम आधारित सजावट कर शहर की सुंदरता को नया स्वरूप दिया जा रहा है। स्वच्छता कार्य में लगे सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों के सम्मान एवं प्रोत्साहन हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। साथ ही उनके स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार सुविधा के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए। निगम का मानना है कि स्वच्छता सैनिकों के सहयोग के बिना स्वच्छ शहर की कल्पना संभव नहीं है। 'जीरो वेस्ट इवेंट' की अवधारणा को बढ़ावा देते हुए विभिन्न आयोजनों में कचरे के पृथक्करण, पुन: उपयोग एवं वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही शहर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाकर हरित एवं स्वच्छ वातावरण तैयार करने का प्रयास जारी है। महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव एवं निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने शहरवासियों से अपिल की है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने के लिए नागरिक सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। सभी शहरवासी स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएँ, कचरे का पृथक्करण करें, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखें तथा उज्जैन को देश का सबसे स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने में अपना योगदान दें।

सिर्फ 2 हजार में घूम आएं ये ठंडी जगहें, 500 रुपये में मिलेगा रूम

2 हजार रुपये में घूमने के लिए सबसे अच्छी ठंडी जगह कौन-सी है ऋषिकेश, कसोल, माउंट आबू, लैंसडाउन और मैक्लोडगंज जैसी जगहें कम बजट में घूमने के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं। यहां ट्रैवल, खाना और रुकने का खर्च मिलाकर लगभग 2 हजार रुपये में ट्रिप पूरी की जा सकती है। कई जगहों पर 500 रुपये तक में हॉस्टल और गेस्ट हाउस भी मिल जाते हैं। गर्मी का मौसम आते ही हर किसी का मन किसी ठंडी और सुकूनभरी जगह पर घूमने जाने का करता है। लेकिन कई लोग बजट कम होने की वजह से ट्रिप प्लान नहीं कर पाते। अक्सर लोगों को लगता है कि पहाड़ों या ठंडी जगहों पर घूमने के लिए लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। जबकि सच यह है कि भारत में कई ऐसी खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जहां आप बेहद कम बजट में शानदार ट्रिप का मजा ले सकते हैं। अगर सही योजना बनाई जाए तो सिर्फ 2 हजार रुपये में सफर, खाना और रुकने तक का खर्च आसानी से संभाला जा सकता है। इन जगहों पर आपको 500 रुपये तक में होटल, हॉस्टल या धर्मशाला में रहने का इंतजाम भी मिल जाएगा। कम बजट वाले पर्यटक, कॉलेज स्टूडेंट्स और दोस्तों के ग्रुप के लिए ये डेस्टिनेशन किसी जन्नत से कम नहीं हैं। यहां की ठंडी हवाएं, खूबसूरत नजारे और शांत माहौल आपको गर्मी से राहत देने के साथ-साथ यादगार अनुभव भी देंगे। कुछ टूर पैकेज भी हैं जो कम बजट में आपको कई सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं और सफर भी मजेदार तरीके से पूरा कराते हैं। अगर आप भी इस गर्मी में जेब पर ज्यादा बोझ डाले बिना घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो ये जगहें आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकती हैं।

मैक्लोडगंज

कम पैसों में विदेशी फील के लिए मैक्लोडगंज जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित मैक्लोडगंड अपनी खूबसूरती और तिब्बती कल्चर के लिए मशहूर है। यहां का मौसम गर्मियों में बेहद ठंडा रहता है। भागसू वॉटरफॉल, कैफे और मोनेस्ट्री घूमने के लिए शानदार जगहें हैं। बजट ट्रैवलर्स के लिए यहां कई सस्ते हॉस्टल मौजूद हैं, जहां 500 रुपये तक में आसानी से ठहरा जा सकता है।

ऋषिकेश

कम बजट में एडवेंचर और सुकून दोनों चाहिए तो ऋषिकेश आएं। उत्तराखंड का ऋषिकेश घूमने के लिए सबसे सस्ती और शानदार जगहों में गिना जाता है। यहां आप गंगा किनारे कैंपिंग, रिवर राफ्टिंग और कैफे कल्चर का मजा ले सकते हैं। दिल्ली और यूपी से यहां बस और ट्रेन का किराया काफी कम पड़ता है। सबसे अच्छी बात यह है कि यहां 400-500 रुपये में हॉस्टल या धर्मशाला आसानी से मिल जाती है। गर्मियों में यहां का मौसम काफी ठंडा और सुहावना रहता है।

कसोल

पहाड़ों के बीच बजट ट्रिप के लिए कसोल आ सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित यह छोटा सा गांव युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय ट्रैवल डेस्टिनेशन बन चुका है। यहां की ठंडी वादियां और पार्वती नदी का नजारा लोगों को खूब आकर्षित करता है। अगर आप पहले से बुकिंग कर लें तो 500 रुपये तक में हॉस्टल मिल सकता है। लोकल ढाबों में सस्ता और स्वादिष्ट खाना भी आसानी से मिल जाता है। ट्रेकिंग पसंद करने वालों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

माउंट आबू

राजस्थान की ठंडी वादियां देखनी हों तो राज्य के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू के सफर पर आएं। यहां गर्मियों में भी मौसम सुहावना बना रहता है। यहां नक्की झील, सनसेट पॉइंट और दिलवाड़ा मंदिर घूमने लायक जगहें हैं। ऑफ सीजन में यहां 500 रुपये तक में कमरे मिल जाते हैं। अगर आप गुजरात या राजस्थान के आसपास रहते हैं, तो यह ट्रिप आपके बजट में आसानी से फिट हो सकती है।

लैंसडाउन

शांत और सस्ती हिल स्टेशन की तलाश लैंसडाउन पर पूरी हो सकती है। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में लैंसडाउन हिल स्टेशन है। यह स्थान उन लोगों के लिए परफेक्ट जगह है जो भीड़भाड़ से दूर सुकून चाहते हैं। यहां का शांत वातावरण और हरियाली लोगों को बेहद पसंद आती है। कम बजट में यहां सफर करना काफी आसान है। कई गेस्ट हाउस और लॉज 500 रुपये तक में मिल जाते हैं। वीकेंड ट्रिप के लिए यह शानदार विकल्प माना जाता है।

सोमनाथ मंदिर घूमने का सही समय, यात्रा खर्च और आसपास की शानदार जगहें

सोमनाथ मंदिर भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में पहला माना जाता है, जिसे पुनर्निर्माण के 75 साल पूरे हो गए हैं। यह मंदिर गुजरात के प्रभास पाटन में अरब सागर के किनारे स्थित है। यहां श्रद्धालु दर्शन, समुद्र दृश्य, शाम की आरती और लाइट एंड साउंड शो का आनंद लेने आते हैं। सोमनाथ यात्रा धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव के साथ शानदार पर्यटन का भी मौका देती है। गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाछ मंदिर के पुनर्निमित मंदिर परिसर के 75 साल पूरे होने के मौके पर 11 मई 2026 को सोमनाथ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान मंदिर में कुंभाभिषेक, ध्वजारोहण किया। सोमनाथ मंदिर भारत के सबसे पवित्र और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह मंदिर गुजरात के प्रभास पाटन में अरब सागर के किनारे स्थित है और इसे भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत वास्तुकला के कारण हर साल लाखों श्रद्धालु और पर्यटक यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और संघर्ष का प्रतीक भी है।

इतिहास में इस मंदिर को कई बार आक्रमणकारियों द्वारा तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। यही कारण है कि इसे भारतीय सनातन संस्कृति की अटूट शक्ति का प्रतीक माना जाता है। मंदिर का भव्य स्वरूप, समुद्र किनारे का शांत वातावरण और शाम की आरती श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराती है। अगर आप पहली बार सोमनाथ यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो आपके मन में कई सवाल होंगे। कैसे पहुंचें, कहां ठहरें, कितना खर्च आएगा, दर्शन का सही समय क्या है और आसपास कौन-कौन सी जगहें घूमने लायक हैं। यहां आपको सोमनाथ मंदिर यात्रा की पूरी जानकारी दी जा रही है, ताकि आपकी यात्रा आरामदायक और यादगार बन सके।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास और धार्मिक महत्व

सोमनाथ मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना करके यहां श्राप से मुक्ति पाई थी, इसलिए इस स्थान का नाम सोमनाथ पड़ा। मंदिर को इतिहास में कई बार नष्ट किया गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। वर्तमान मंदिर का निर्माण भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रेरणा से कराया गया था। मंदिर की वास्तुकला चालुक्य शैली में बनी है, जो इसे बेहद भव्य और आकर्षक बनाती है।

सोमनाथ मंदिर कैसे पहुंचें

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पहुंचना काफी आसान है। यहां से सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन वेरावल है, जो मंदिर से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है। देश के कई बड़े शहरों से यहां के लिए ट्रेन उपलब्ध है। अगर आप फ्लाइट से जाना चाहते हैं, तो दीव एयरपोर्ट सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। वहां से टैक्सी या बस द्वारा सोमनाथ पहुंच सकते हैं। गुजरात के प्रमुख शहरों से नियमित बस सेवाएं भी उपलब्ध हैं। सड़क मार्ग से यात्रा करने वालों के लिए समुद्र किनारे का रास्ता बेहद खूबसूरत अनुभव देता है।

दर्शन, आरती और यात्रा का सही समय

सोमनाथ मंदिर में दर्शन सुबह लगभग 6 बजे से रात 9:30 बजे तक होते हैं। यहां सुबह, दोपहर और शाम की आरती विशेष आकर्षण का केंद्र होती है। शाम के समय होने वाला लाइट एंड साउंड शो मंदिर के इतिहास को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत करता है। अक्टूबर से मार्च तक का समय सोमनाथ यात्रा के लिए सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इस दौरान मौसम सुहावना रहता है। महाशिवरात्रि और सावन के महीने में यहां भारी भीड़ देखने को मिलती है। सोमनाथ यात्रा का खर्च आपकी यात्रा शैली पर निर्भर करता है। बजट ट्रैवलर के लिए 5,000 से 8,000 रुपये में 2-3 दिन की यात्रा आराम से हो सकती है। वहीं अच्छे होटल और फ्लाइट के साथ खर्च 15,000 रुपये या उससे अधिक भी जा सकता है। मंदिर के आसपास धर्मशालाएं, बजट होटल और लग्जरी होटल सभी विकल्प उपलब्ध हैं। भोजन भी यहां काफी किफायती मिलता है। अगर आप ऑफ-सीजन में यात्रा करते हैं, तो होटल और ट्रांसपोर्ट पर अच्छी बचत हो सकती है। सोमनाथ यात्रा के दौरान कई खूबसूरत और धार्मिक स्थान भी घूम सकते हैं। त्रिवेणी संगम, वह पवित्र स्थान है जहां तीन नदियों (हिरन, कपिला और सरस्वती नदियों) का संगम माना जाता है। इसके अलावा भालका तीर्थ वह स्थान माना जाता है जहां भगवान कृष्ण ने देह त्यागी थी। समुद्र किनारे स्थित सोमनाथ बीच भी पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। अगर समय हो तो दीव भी घूम सकते हैं, जो अपने बीच और पुर्तगाली इतिहास के लिए प्रसिद्ध है।गीता मंदिर प्रभास पाटन संग्रहालय, सोमनाथ के प्राचीन अवशेषों और कलाकृतियों का संग्रह है। पंच पांडव गुफा में पांचवों की रहने की मान्यता है। सूरज मंदिर, समुद्र तट के पास प्राचीन सूर्य मंदिर है।

मथुरा-वृंदावन घूमने का सबसे सस्ता तरीका

2000 रुपए में मथुरा-वृंदावन यात्रा कैसे करें 2000 रुपए में मथुरा-वृंदावन यात्रा करने के लिए ट्रेन या रोडवेज बस से सफर करें, धर्मशाला या बजट होटल में ठहरें और लोकल भोजनालयों में खाना खाएं। शेयर ऑटो और ई-रिक्शा से मंदिर दर्शन करने पर पूरा ट्रिप कम बजट में आसानी से पूरा किया जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा और वृंदावन हर साल लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यहां के मंदिर, घाट, भक्ति का माहौल और स्वादिष्ट खाना लोगों को एक अलग ही आध्यात्मिक अनुभव देता है। लेकिन कई लोगों को लगता है कि घूमने के लिए ज्यादा बजट चाहिए होता है। जबकि सही प्लानिंग के साथ आप सिर्फ 2000 रुपए में भी मथुरा-वृंदावन की शानदार यात्रा कर सकते हैं। खासकर अगर आप दिल्ली, यूपी या आसपास के शहरों से यात्रा कर रहे हैं, तो यह ट्रिप काफी सस्ती और यादगार बन सकती है। मथुरा-वृंदावन की यात्रा में सबसे खास बात यह है कि यहां कम बजट में रहने, खाने और घूमने की बेहतरीन सुविधाएं आसानी से मिल जाती हैं। धर्मशालाएं, सस्ते होटल और लोकल ट्रांसपोर्ट आपके खर्च को काफी कम कर देते हैं। अगर आप पहले से प्लानिंग कर लें और कुछ जरूरी टिप्स फॉलो करें, तो कम पैसों में भी पूरा ट्रिप आराम से

एंजॉय कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि 2000 रुपए के बजट में मथुरा-वृंदावन यात्रा की पूरी योजना कैसे बनाई जा सकती है।

सस्ते परिवहन से करें सफर

अगर आप दिल्ली या यूपी के आसपास रहते हैं, तो ट्रेन या रोडवेज बस से मथुरा पहुंचना सबसे सस्ता विकल्प माना जाता है। जनरल ट्रेन टिकट या नॉन-एसी बस का किराया 150 से 400 रुपए तक पड़ सकता है। दिल्ली से मथुरा का सफर लगभग 3-4 घंटे में पूरा हो जाता है। लोकल यात्रा के लिए शेयर ऑटो और ई-रिक्शा का इस्तेमाल करें।

500 रुपए में मिल जाएगा रहने का इंतजाम

वृंदावन और मथुरा में कई धर्मशालाएं और बजट होटल मौजूद हैं, जहां 400-500 रुपए में आसानी से कमरा मिल सकता है। कई आश्रमों में बहुत कम दाम में रहने और भोजन की सुविधा भी दी जाती है। अगर आप वीकेंड या त्योहार के समय जा रहे हैं, तो पहले से बुकिंग कर लेना बेहतर रहेगा।

इन मंदिरों के करें दर्शन

मथुरा-वृंदावन में घूमने के लिए कई प्रसिद्ध मंदिर हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, प्रेम मंदिर और इस्कॉन मंदिर यहां की सबसे लोकप्रिय जगहों में शामिल हैं। ज्यादातर मंदिरों में एंट्री फ्री होती है, जिससे आपका बजट नहीं बिगड़ता।

कम खर्च में लें स्वादिष्ट खाने का मजा

मथुरा-वृंदावन का स्ट्रीट फूड काफी मशहूर है। यहां कचौड़ी, आलू पूरी, लस्सी और पेड़ा बेहद कम कीमत में मिल जाते हैं। लोकल ढाबों और भोजनालयों में 100-150 रुपए में पेट भर खाना आसानी से मिल सकता है। अगर बजट बचाना चाहते हैं, तो महंगे रेस्टोरेंट की बजाय लोकल खाने को प्राथमिकता दें।

टीम इंडिया से ड्रॉप हुए पर चुप रहे, मेहनत की; 36 साल के भुवनेश्वर कुमार ने फिर दुनिया को झुका दिया

36 वर्षीय भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर साबित कर दिया है कि क्लास कभी खत्म नहीं होती। टीम इंडिया से बाहर होने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि खुद को और मजबूत बनाया। आरसीबी के लिए खेलते हुए वह 21 विकेट लेकर पर्पल कैप होल्डर बने हुए हैं। शांत स्वभाव, अनुशासन और लगातार मेहनत ने उन्हें फिर से खतरनाक गेंदबाज बना दिया है। कभी भारतीय क्रिकेट की नई गेंद का सबसे भरोसेमंद नाम रहे भुवनेश्वर कुमार को जब टीम इंडिया से बाहर किया गया, तब बहुतों को लगा कि अब उनकी कहानी खत्म हो चुकी है। उम्र बढ़ रही थी, चोटें पीछा कर चुकी थीं, और क्रिकेट नई पीढ़ी की तरफ बढ़ चुका था। लेकिन भुवनेश्वर उन खिलाड़ियों में नहीं थे जो शोर मचाते हैं। उन्होंने जवाब देने के लिए शब्द नहीं चुने... उन्होंने गेंद चुनी। आज

36 साल की उम्र में वह आईपीएल 2026 में फिर चमक रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए भुवनेश्वर कुमार इस सीजन 21 विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम किए हुए हैं। यह चौथा मौका है जब उन्होंने ढ्ढक्क में 20 से ज्यादा विकेट लिए हैं। वह आईपीएल इतिहास में 200 विकेट पूरे करने वाले पहले तेज गेंदबाज भी बन चुके हैं। डेथ ओवरों में उनकी इकॉनमी 7.8 है, जो इस सीजन सर्वश्रेष्ठ मानी जा रही है। पावरप्ले में उनके 12 विकेट भी दिखाते हैं कि नई गेंद से वह आज भी उतने ही खतरनाक हैं। टीम इंडिया से बाहर होना किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे कठिन दौर होता है। लेकिन भुवनेश्वर ने इसे अलग नजरिए से देखा। उन्होंने कहा, 'स्वीकार करना मुश्किल होता है, लेकिन जब आप उससे शांति बना लेते हैं, तब आप अलग तरह से सोचते हैं। जिस दिन मुझे भारतीय टीम से बाहर किया गया, उस दिन भी मैं शांत था। मैं एक दशक तक वहां रहा था, सब कुछ देख चुका था। इसलिए खुद को चीजों से अलग करना आसान हो गया।' यह बयान बताता है कि महान खिलाड़ी सिर्फ खेल से नहीं, सोच से भी बड़े होते हैं। भुवनेश्वर का कहना है कि अब उनका पूरा फोकस फिटनेस और निरंतरता पर है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर को ज्यादा देखभाल चाहिए, इसलिए उन्होंने अपने क्रिकेट कैलेंडर को सीमित रखा है। उन्होंने कहा, 'जब आप थके हों और जाने का मन न करे, फिर भी जाना पड़े... वही अनुशासन है। जब आप इसे बार-बार करते हैं, तो वही निरंतरता भूख पैदा करती है। कुछ हासिल करना है तो शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को बदलना पड़ता है।

पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत का बड़ा इनाम, बांग्लादेशी खिलाड़ियों की आईसीसी रैंकिंग में लंबी छलांग

पाकिस्तान पर 104 रन की ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो, मुशफिकुर रहीम, मोमिनुल हक समेत कई खिलाड़ियों ने लंबी छलांग लगाई है। इस जीत के बाद बांग्लादेश ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में भी पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है। बांग्लादेश ने मीरपुर टेस्ट में पाकिस्तान को 104 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस शानदार जीत के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला है। यह मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में बांग्लादेश की पहली जीत भी है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने इस जीत के सबसे बड़े नायक रहे। उन्होंने पहली पारी में शतक लगाया और दूसरी पारी में अहम 87 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच

बने शांतो आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 16 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। मुशफिकुर रहीम ने मैच में 71 और 22 रन बनाए, जिसके बाद वह दो स्थान ऊपर चढ़कर 26वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं मोमिनुल हक ने 91 और 56 रन की पारियां खेलीं। इसका फायदा उन्हें 12 स्थान की छलांग के रूप में मिला और अब वह 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम ने दोनों पारियों में दो-दो विकेट लिए। वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने दूसरी पारी में 5/92 का शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 64वें नंबर पर पहुंच गए हैं। हालांकि पाकिस्तान को हार मिली, लेकिन तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास के लिए अच्छी खबर आई है। पहली पारी में 5/92 लेने के बाद वह आईसीसी रैंकिंग में दोबारा लौटे हैं और 28वें स्थान पर पहुंचे हैं। वहीं डेब्यू करने वाले अब्दुल्लाह फजल और अजैन अवैस भी रैंकिंग में क्रमश: 75वें और 82वें स्थान पर शामिल हुए हैं। इस दमदार जीत के बाद बांग्लादेश ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है। यह जीत टीम के आत्मविश्वास और भविष्य दोनों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। मीरपुर टेस्ट सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के लिए बड़ा संदेश है। टीम ने पाकिस्तान को हराकर इतिहास रचा और खिलाड़ियों ने रैंकिंग में छलांग लगाकर इस जीत को और खास बना दिया।

बाकी बचे तीन मैच से पहले सीएसके का बड़ा दांव चोटिल रामकृष्ण की जगह इस नए ऑलराउंडर की हो सकती है एंट्री

आईपीएल 2026 के लीग चरण में तीन मुकाबले शेष रहते चेन्नई सुपर किंग्स ने चोटिल रामकृष्ण घोष की जगह कर्नाटक के ऑलराउंडर मैकनील हैडली नरोन्हा को टीम में शामिल करने की तैयारी की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्रेंचाइजी ने बीसीसीआई से मंजूरी मांगी है। लगातार चोटों से जूझ रही सीएसके के लिए यह बड़ा फैसला माना जा रहा है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के लीग चरण के अंतिम दौर में बड़ा कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम ने कर्नाटक के युवा ऑलराउंडर मैकनील हेडली नरोन्हा को चोटिल रामकृष्ण घोष के रिप्लेसमेंट के तौर पर साइन करने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि फ्रेंचाइजी ने इस फैसले के लिए बीसीसीआई को पत्र भेजा है और आधिकारिक मंजूरी का इंतजार है। रामकृष्ण घोष को दाएं पैर में फ्रैक्चर हुआ है, जिसके कारण वह टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। यह चोट दो मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ चेपॉक में खेले गए मुकाबले के दौरान लगी थी। खास बात यह रही कि वही उनका आईपीएल डेब्यू मैच भी था। सीएसके ने बयान जारी कर कहा, 'रामकृष्ण घोष को सीएसके बनाम मुंबई इंडियंस मैच के दौरान दाएं पैर में फ्रैक्चर हुआ है। वह आईपीएल 2026 में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। जल्दी ठीक हो जाओ, रैंबो।' अब क्रिकबज ने बताया है कि लीग स्टेज खत्म होने से पहले सीएसके नए खिलाड़ी को साइन करना चाहती है। मैकनील ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर यलोव (पीले दिल) की तस्वीर लगाई है। 24 वर्षीय मैकनील नरोन्हा ने 2025 महाराजा ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने मंगलुरु ड्रैगन्स के लिए 13 मैचों में 253 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 148.82 रहा। इस दौरान उन्होंने 19 छक्के भी लगाए। सिर्फ बल्लेबाजी ही नहीं, उन्होंने ऑफ स्पिन गेंदबाजी में भी कमाल किया और 10 विकेट हासिल किए। फाइनल में उन्होंने दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने घोष की चोट पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ हफ्तों में उनका सुधार साफ नजर आया था।

डॉक्टर ने पुलिस पर लगाया मारपीट का आरोप

इंदौर में छोटे भाई की पत्नी ने दर्ज कराई एफआईआर, कहा- तलाक लेना चाहता है इंजीनियर पति

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर में एक डॉक्टर ने मंगलवार को पारिवारिक विवाद के मामले में टीआई समेत हीरानगर थाने के पुलिसकर्मियों पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। वहीं, टीआई सुशील पटेल का कहना है कि डॉक्टर, उसके इंजीनियर भाई और माता-पिता के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया है। कार्रवाई से बचने के लिए डॉक्टर झूठे आरोप लगा रहा है। दरअसल, डॉक्टर के छोटे भाई की पत्नी, मेघदूत नगर निवासी ने दहेज प्रताड़ना की शिकायत की थी। महिला ने अपने पति अमन पर आरोप लगाया है कि उसका पति नोएडा में एक युवक के साथ रहता है। वह मुझसे तलाक लेने की बात कर रहा है। इसी मामले में पुलिस ने उसके इंजीनियर पति, डॉक्टर जेठ अभिषेक और माता-पिता को थाने बुलाने के लिए कॉल किया था। इस बीच, पति के परिजन सोमवार को महिला के घर पहुंच गए और वहां हंगामा किया। पुलिस ने कार्रवाई शुरू की तो महिला का जेठ सोमवार को थाने पहुंच गया। थाने में तबीयत बिगड़ने की बात कही। इसके बाद पुलिस उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन जांच के बाद वह वहां से चला गया। बाद में उसने पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। इधर, महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति अमन, जेठ अभिषेक, ससुर अमर सिंह और सास सुनीता के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कर लिया गया है।

शादी के एक सप्ताह बाद चला गया पति

महिला ने शिकायत में बताया कि उसकी शादी पारिवारिक सहमति से 29 नवंबर 2025 को हुई थी। शादी के एक सप्ताह बाद ही पति अमन नोएडा चले गए। उन्होंने कहा था कि जल्द ही अपना ट्रांसफर इंदौर करवा लेंगे। महिला के मुताबिक, ससुराल में सास-ससुर और जेठ कार नहीं देने को लेकर ताने देते थे। बाद में ससुर ने कहा कि नोएडा में अमन को रुपयों की जरूरत है, इसलिए मायके से पैसे मंगवाए जाएं। आरोप है कि इंकार करने पर उसे परेशान किया जाने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि बाद में उसे पता चला कि पति अमन नोएडा में एक युवक के साथ एक कमरे में रहते हैं। जब उसने अपने साथ ले जाने की बात कही तो अमन ने मना कर दिया। इंदौर आने पर भी अमन उससे दूरी बनाकर रखते थे। महिला के अनुसार, अमन ने कहा कि नोएडा में रहने वाला युवक उसकी जिम्मेदारी है। पीड़िता का आरोप है कि 27 फरवरी 2026 को अमन ने बताया कि उसने तलाक लेने की बात कही। इसके बाद महिला ने अपने मायके पक्ष को इसकी जानकारी दी। अगले दिन सास-ससुर से विवाद होने के बाद वह मायके चली गई।

टीआई से की सीने में दर्द की शिकायत

पीड़िता ने करीब 15 दिन पहले मामले की शिकायत की थी। पुलिस लगातार अमन और उसके परिजनों को बयान के लिए हीरानगर थाने बुला रही थी। आरोप है कि एक दिन पहले अभिषेक मेघदूत नगर स्थित महिला के घर पहुंचा और वहां विवाद किया। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। मंगलवार को पुलिस ने अभिषेक को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। यहां उसने गिरफ्तारी के डर से पुलिसकर्मियों पर मारपीट का आरोप लगा दिया। टीआई सुशील पटेल के सामने उसने सीने में दर्द होने की शिकायत की। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। जांच में उसकी तबीयत सामान्य पाई गई, जिसके बाद वह अस्पताल से चला गया।

पिता की नाराजगी से टूटा युवक, जहर खाकर जान दी : ससुराल विवाद के बाद तनाव में था युवक

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर में खाद्य और उर्वरक कंपनी में काम करने वाले एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। इलाज के दौरान बुधवार अलसुबह उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ससुराल पक्ष से विवाद के बाद पिता उससे नाराज चल रहे थे और बात नहीं कर रहे थे।भंवरकुआ थाना पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान विशाल (35) पुत्र अर्जुन गेहलोत निवासी एकता नगर के रूप में हुई है। जहर खाने के बाद उसे पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर एमवाय अस्पताल रेफर किया गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि विशाल की पत्नी राजस्थान के भवानी मंडी स्थित मायके में है। करीब पांच दिन पहले उसके यहां बेटे का जन्म हुआ था। डिलीवरी को लेकर लगभग 15 दिन पहले विशाल की ससुराल पक्ष से कहासुनी हो गई थी। विवाद के दौरान विशाल ने अपशब्द कह दिए थे, जिससे उसके पिता अर्जुन गेहलोत नाराज हो गए थे। बताया जा रहा है कि विशाल पिछले 15 दिनों से पिता से संपर्क करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वे उसका फोन रिसीव नहीं कर रहे थे। विशाल ने उन्हें मैसेज भी किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। इससे परेशान होकर उसने सोमवार जहरीला पदार्थ खा लिया।

इंदौर में डॉग फीडिंग कर रहे युवक पर हमला : सीसीटीवी में कैद हुई घटना

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। द्वारकापुरी क्षेत्र में डॉग फीडिंग कर रहे एक वॉलंटियर के साथ आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मारपीट कर दी। युवक का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने एक व्यक्ति को कुत्ते को पीटने से रोक दिया था। घटना के बाद नाराज पशु प्रेमियों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। इसके बाद मामले में एफआईआर दर्ज की गई। पीड़ित अमन तोमर की शिकायत पर द्वारकापुरी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। अमन लंबे समय से इलाके में बेसहारा कुत्तों को खाना खिलाने का काम करते हैं। बताया गया है कि उन्होंने एक व्यक्ति को कुत्ते के साथ मारपीट करते देखा और उसे रोकने की कोशिश की। इसी बात पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि कुछ ही देर में आधा दर्जन से अधिक लोग मौके पर पहुंच गए और सभी ने मिलकर अमन के साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद अमन को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया। उनके साथियों का आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और केवल एनसीआर दर्ज कर उन्हें थाने से रवाना कर दिया। इसके बाद पीपुल्स फॉर एनिमल्स की इंदौर इकाई की अध्यक्ष प्रियांशु जैन, अमन तोमर, कार्तिक तंवर और सचिन मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को पूरे मामले की शिकायत करते हुए सीसीटीवी फुटेज भी दिखाई। अधिकारियों के निर्देश के बाद द्वारकापुरी थाने में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

जेल रोड के व्यापारी पर नकाबपोश बदमाशों का हमला

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। पहले इंदौर के जेल रोड स्थित चाइना टाउन मार्केट में बुधवार सुबह एक व्यापारी पर नकाबपोश बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले लोहे की रॉड से हमला किया और फिर पैर में चाकू मारकर मौके से फरार हो गए। घायल व्यापारी को आसपास के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। एमजी रोड थाना पुलिस के मुताबिक घायल व्यापारी आनंद पुत्र रामचंद्र विशपुते निवासी स्कीम-114 हैं। उन्हें उनके परिचित इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। आनंद के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल के साथी अजय ने बताया कि आनंद का पंखे और एयर कंडीशन का कारोबार है। चाइना टाउन मार्केट में उनका ऑफिस है। बुधवार सुबह वह ऑफिस पहुंचे थे और मोबाइल चला रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि एक बदमाश ने पीछे से लोहे की रॉड से हमला किया। आनंद बचने के लिए खड़े हुए तो उनके कंधे और सिर पर चोट लगी। इसके बाद दूसरे बदमाश ने उनके पैर पर चाकू से वार कर दिया। आनंद के शोर मचाने पर दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस को इलाके के सीसीटीवी कैमरों में दोनों बदमाश बाइक से आते-जाते दिखाई दिए हैं। एमजी रोड थाना पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है।

इंदौर में पार्षद पुत्र ने की वॉल्वमैन से की मारपीट गुलाब बाग पानी के टंकी पर जमकर हंगामा

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर के विजयनगर और लसूड़िया क्षेत्र के बीच स्थित पानी की टंकी पर मंगलवार रात जमकर हंगामा हो गया। आरोप है कि यहां अमित सोनी ने नगर निगम के वाल्वमैन के साथ मारपीट कर दी। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हालांकि मामले में अब तक पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। जानकारी के मुताबिक स्कीम नंबर-114 स्थित पानी की टंकी पर तैनात नगर निगम कर्मचारी अभिषेक के साथ मारपीट की घटना हुई। घटना के विरोध में बुधवार सुबह कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। इसका असर आसपास के इलाकों में जलापूर्ति पर भी पड़ा। स्कीम नंबर-54 की पानी की टंकी भी समय पर नहीं भर पाई, जिससे कई क्षेत्रों में पानी सप्लाई प्रभावित रही। मामले की जानकारी नगर निगम अधिकारियों तक भी पहुंची, लेकिन पार्षद का नाम सामने आने के कारण किसी ने खुलकर कार्रवाई नहीं की। घटना का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ है।

निगम कर्मचारी पर आरो

इधर, पार्षद बालमुकुंद सोनी ने मीडिया से बातचीत में नगर निगम कर्मचारी अभिषेक पर शराब पीकर ड्यूटी करने और पानी चोरी करवाने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को भी जानकारी दी गई है। वहीं दूसरी ओर, स्कीम नंबर-114 का वाल्व समय पर नहीं खोले जाने के कारण इलाके की करीब तीन पानी की टंकियां बुधवार को खाली रह गईं। सुबह नगर निगम कर्मचारी मामले की शिकायत लेकर थाने भी पहुंचे थे, लेकिन निगम अधिकारियों से सहयोग नहीं मिलने के कारण वे बिना शिकायत दर्ज कराए वापस लौट आए।

इंदौर में गार्डन-सर्विस सेंटर पर ट्रीटेड वॉटर जरूरी : जलसंकट के चलते नगर निगम सख्त

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर में बढ़ती गर्मी और जल संकट को देखते हुए नगर निगम ने सख्त कदम उठाए हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने शहर में जल संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्यों, ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटरों और गार्डनों में ट्रीटेड पानी का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। नगर निगम ने सभी बिल्डिंग ऑफिसर, बिल्डिंग इंस्पेक्टर और जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्थापित हाइड्रेंट के जरिए ट्रीटेड पानी का पुनः उपयोग कराएं। साथ ही निजी व्यक्ति और संस्थाएं भी संबंधित जोनल कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा कर ट्रीटेड पानी ले सकेंगी और उसका उपयोग निर्माण कार्य, सर्विस सेंटर और गार्डन में कर सकेंगी। नगर निगम के अनुसार शहर में विभिन्न स्थानों पर 35 ट्रीटेड वॉटर हाइड्रेंट स्थापित किए गए हैं। सिरपुर एसटीपी के रीयूज नेटवर्क के तहत पश्चिम क्षेत्र के जोन 14, 15, 16 और 21 में आई माता मंदिर, अहिल्या उद्यान, स्कीम नंबर-71, दस्तूर गार्डन रोड, गुमाश्ता नगर शासकीय क्वार्टर, विश्राम बाग सर्विस रोड और उषा नगर गार्डन सहित कई स्थानों पर हाइड्रेंट शुरू कर दिए गए हैं। इन हाइड्रेंट से उद्यान विभाग के टैंकर और जेटिंग मशीनें पानी भर सकेंगी। ट्रीटेड पानी लेने का समय सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। नगर निगम ने सार्वजनिक सूचना जारी कर स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों और सर्विस सेंटरों में नर्मदा या बोरिंग के पानी का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने कहा कि यदि कोई निर्माण कार्य या ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटर में बोरिंग या नर्मदा का पानी उपयोग करता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम का कहना है कि ट्रीटेड पानी के उपयोग से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

पत्नी की डांट से बचने रची लूट की कहानी : शराब के नशे में कुएं में खुद गिरा, बोला-लुटेरों ने गिराया

संयुक्त लहर, प्रतिनिधि

इंदौर। इंदौर के सिमरोल थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात कथित लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया। कुक संजय यादव ने तीन बदमाशों द्वारा हमला कर कुएं में फेंकने और बाइक-मोबाइल लूटने की जो कहानी पुलिस को बताई थी, वह पूरी तरह झूठी निकली। दरअसल, उसने पत्नी के डर से कहानी गढ़ी थी। पुलिस ने कुएं से उसकी बाइक और मोबाइल बरामद कर लिए हैं। डीएसपी उमाकांत चौधरी के मुताबिक संजय यादव ने पुलिस को बताया था कि प्याज गोदाम के पास एक युवक ने हाथ देकर उसे रोकने की कोशिश की। शक होने पर उसने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। कुछ दूरी आगे बढ़ते ही दो अन्य बदमाश दौड़ते हुए आए और लाठी से हमला कर दिया। हमले में वह खेत में जा गिरा। इसके बाद बदमाशों ने उसके सिर पर डंडों से वार किए, मोबाइल और बाइक (स्क09-छ्य-9714) लूट ली और उसे पास के कुएं में फेंककर फरार हो गए। संजय ने दावा किया था कि कुआं करीब 30 फीट गहरा था और उसमें करीब 5 फीट पानी भरा था। गिरने से उसकी टांग में फ्रैक्चर हो गया, जिसके कारण वह करीब 6 घंटे तक कुएं में पड़ा रहा। सुबह लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया। हालांकि शुरुआत से ही पुलिस को उसकी कहानी पर संदेह था। पुलिस ने जब उसके आने-जाने के रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो वह घटना वाली रात एक शराब दुकान पर शराब खरीदते हुए दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस घर पहुंची और दोबारा पूछताछ की तो उसने सच कबूल लिया। संजय ने बताया कि उसने ज्यादा शराब पी रखी थी। तेज रफ्तार में बाइक चलाते समय वह खुद ही कुएं में गिर गया था। सुबह होश आने पर उसने पत्नी और परिवार की डांट से बचने के लिए लूट की झूठी कहानी बना दी। पुलिस ने उसकी बाइक और मोबाइल कुएं से बरामद कर लिए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुनील कुमार यादव के लिए पंकज प्रिंटर एंड पैकेजिंग, 16-ए अल्फा इंडस्ट्रियल पार्क, ग्राम जाख्या, सांवेर रोड, इंदौर (म.प्र.) पिन-453555 - बी, सूर्यदेव नगर इंदौर कैट रोड हवा बंगला से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : सुनील कुमार यादव (9630413449)
सम्पादक : भारत प्रसाद यादव, Email : dainiksanyuktlaher@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआर एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) RNI No. MPHIN/2023/90392